website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 68 | पेज: 8 | जयपुर, मंगलवार 17 फरवरी 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

पीएम मोदी नहीं, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला जाएंगे बांग्लादेश, तारिक रहमान के शपथ ग्रहण में होंगे शामिल

नईदिल्ली/ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के चेयरमैन तारीक रहमान 17 फरवरी को देश के नए प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण समारोह परंपरा से अलग इस बार राष्ट्रपति भवन की जगह ढाका के नेशनल पार्लियामेंट कॉम्प्लेक्स के साउथ प्लाजा में होगा। ढाका ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई नेताओं को इस समारोह में शामिल होने के लिए निमंत्रण भेजा है। बांग्लादेश के नवनिर्वाचित

प्रधानमंत्री तारिक रहमान के शपथ ग्रहण समारोह में भारत की तरफ से लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला प्रतिनिधित्व करेंगे। यह जानकारी भारतीय विदेश मंत्रालय की तरफ से साझा की गई है। इससे पहले कयास लगाए जा रहे थे कि पीएम मोदी बीएनपी अध्यक्ष के शपथ ग्रहण में शामिल होने के लिए पड़ोसी देश का दौरा कर सकते हैं। लेकिन भारत में एआई इम्पैक्ट समिट के आयोजन और कई देशों के गणमान्य अतिथियों के आगमन समेत अन्य प्रस्तावित कार्यक्रम में व्यस्तता के कारण पीएम मोदी बांग्लादेश नहीं जा सकते हैं।

मुंबई में बनी देश की पहली सुरीली सड़क

गाड़ी गुजरने पर बजता है 'जय हो' गाना

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई में देश की पहली सुरीली सड़क यानी कि म्यूजिकल रोड बनी है। इस रोड पर जब गाड़ी चलेगी तो शोर की जगह जय हो गाने की धुन सुनाई देगी। नरीमन पॉइंट से वर्ली को जोड़ने वाली नॉर्थबाउंड कोस्टल रोड पर यह करिशमा होते देखा और सुना जा सकता है। सड़क के 500 मीटर के हिस्से पर जब 60-80 किमी/घंटा की रफ्तार से गाड़ी चलती है, तो फिल्म स्लमडॉग मिलियनेयर का ऑस्कर विनिंग सॉन्ग 'जय हो' गूंजने लगता है। इस अनोखी सड़क के पीछे की टेक्नोलॉजी भी इतनी ही अनोखी है क्योंकि इसमें किसी तरह का स्पीकर या इलेक्ट्रिक ताम-झाम नहीं लगा है। गाने वाली इस सड़क पर लगाए गई खास तरह की रबर स्ट्रिप्स और गाड़ी की रफ्तार मिलकर संगीत पैदा करती हैं।

गाड़ी की सही रफ्तार भी है टेक्नोलॉजी का हिस्सा

रिपोर्ट्स के मुताबिक, म्यूजिकल सड़क की टेक्नोलॉजी में आवाज की फ्रीक्वेंसी पूरी तरह से खांचों के बीच की दूरी पर निर्भर करती है। टायर और खांचे के बीच तेज टकराव हाई-फ्रीक्वेंसी पर आवाज पैदा करता है। ऐसे में अगर गाड़ी की स्पीड सही हो, तो आपको जय हो गाने की धुन साफ सुनाई देती है। कहने का मतलब है कि म्यूजिकल सड़क की टेक्नोलॉजी का एक हिस्सा गाड़ी की सही रफ्तार भी है। सुरीली सड़क का यह जादुई अनुभव टनल से बाहर निकलते ही शुरू हो जाता है, जिसके लिए सड़क पर खास संकेत भी लगाए गए हैं।

सुरीली सड़क के पीछे की टेक्नोलॉजी

देश की पहली म्यूजिकल सड़क के पीछे किसी तरह का इलेक्ट्रॉनिक ताम-झाम जिम्मेवार नहीं है। असल में इस सड़क पर रंबल स्ट्रिप्स का इस्तेमाल किया गया है। इन्हें एक तय दूरी और गहराई के साथ बनाया जाता है। इन रबर की रंबल स्ट्रिप्स पर से जब गाड़ी एक तय गति पर गुजरती है, तो पैदा होने वाले घर्षण और कंपन से ही म्यूजिक पैदा होता है। कहने का मतलब है कि सिर्फ रबर की स्ट्रिप्स के ऊपर से गाड़ी के जाने पर होने वाला शोर ही गाने की धुन में तबदील हो जाता है। गौर करने वाली बात है कि रंबल स्ट्रिप्स को एक निश्चित गहराई और दूरी पर काटा गया है, ताकि इन पर से निकलने वाली गाड़ी का शोर म्यूजिक सा सुनाई दे।

दुनियाभर में भारत का दबदबा, 38 देशों के साथ हुआ व्यापार समझौता

- पीएम मोदी ने बताया- कैसे बढ़ा निवेशकों का भरोसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि भारत ने 38 देशों के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) मजबूती की स्थिति से किए हैं। उनका कहना है कि देश की मजबूत मैन्युफैक्चरिंग (निर्माण), सेवाएं और एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग) सेक्टर की वजह से भारत बेहतर शर्तों पर समझौते कर पाया।

समाचार एजेंसी को दिए एक इंटरव्यू में पीएम मोदी ने कहा कि भारत की आर्थिक क्षमता बढ़ने से व्यापार वार्ताओं में देश का पक्ष मजबूत हुआ है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के निर्माण क्षेत्र, सेवा क्षेत्र और एमएसएमई की मजबूती ने देश को वैश्विक स्तर पर आत्मविश्वास दिया है। इसी के कारण भारत 38 देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते करने में सक्षम रहा।

ओवैसी बोले–वंदे मातरम् वफादारी का टेस्ट ना बने

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल-मुस्लिमीन चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि वंदे मातरम् गाना और इसको सम्मान देना देश से वफादारी का टेस्ट ना माना जाए। उन्होंने आगे कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) भारत को एक धार्मिक देश बनाना चाहते हैं। मीडिया को दिए इंटरव्यू में ओवैसी ने कहा कि संविधान 'हम लोग' से शुरू होता है, 'भारत माता की जय' जैसे नारों से नहीं। उन्होंने कहा कि आर्टिकल 25 धर्म की आजादी के बुनियादी अधिकार की गारंटी देता है।

दरअसल, केंद्र सरकार ने 12 फरवरी को एक आदेश जारी कर राष्ट्रगीत वंदे मातरम् को राष्ट्रगान जन गण मन की तरह ही सम्मान देना अनिवार्य कर दिया है। आदेश के मुताबिक राष्ट्रगीत के सभी 6 अंतरे गाए जाएंगे, जिनकी कुल अवधि 3 मिनट 10 सेकेंड है। अब तक मूल गीत के पहले दो अंतरे ही गाए जाते थे।वीर सावरकर को भारत रत्न देने की मांग की आलोचना करते हुए कहा कि जस्टिस कपूर कमीशन ने सावरकर को महात्मा गांधी की हत्या का साजिशकर्ता बताया था।

महाशिवरात्रि महापर्व पर शिवालयों में लगी थीं लंबी -लंबी कतारें

काशी में 10 लाख से ज्यादा तो महाकाल मंदिर में 3 लाख 30 हजार श्रद्धालु दर्शन कर चुके थे

वाराणसी/उज्जैन (एजेंसी)। गले में नरमुंडों की माला, सिर से निकलते आग के गोले और पूरे शरीर पर चिता की राख। यह नजारा शिव बारात में दिख रहा था। 'भूत-पिशाच' बने कलाकारों ने हैरतअंगेज करतब

- शिव बारात में गले में नर-मुंड, सिर से निकले आग के गोले, भूत-पिचाश बने कलाकारों ने किए हैरतअंगेज कारनामे

दिखा जा रहे थे। ऐसा ही दृश्य काशी -महाकाल में भी देखने को मिला। शिव बारात में करीब 20 हजार लोग शामिल हुए। दूल्हा बने भगवान शिव बारात लेकर निकले तो चारों तरफ हर-हर महादेव के नारे गूंज उठे।

300 कलाकार देवी-देवता और बराती बने थे। कोई घोड़े-ऊंट पर सवार था तो कोई मदारी और भूत-पिशाच के रूप में दिखा। मां काली बनी कलाकार ने रौद्र रूप दिखाया। नागा संन्यासी चिलम फूंकते नजर आए और भालू बने कलाकार ने जमकर नृत्य किया। एक बच्चा शिव रूप में नजर

आया। हाथ में त्रिशूल और गले में रुद्राक्ष की माला। शिव बारात तिलभांडेश्वर मंदिर से शुरू होकर करीब 5 किमी दूर डेवड़ियाबीर तक गई।

महाशिवरात्रि पर काशी में 10 लाख से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचे। काशी विश्वनाथ मंदिर में बाबा का दूल्हे जैसा श्रृंगार किया गया। मोरपंख और रुद्राक्ष की माला पहनाई गई। कपाट खुलते ही दर्शन शुरू हुए। अब तक 5 लाख श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। दर्शन के लिए सिर्फ 2 सेकेंड का समय मिल रहा है।

महाकाल मंदिर में श्रद्धालुओं की खासी भीड़

महाशिवरात्रि पर्व पर उज्जैन में अब तक तक 3 लाख 30 हजार श्रद्धालु भगवान महाकाल के दर्शन कर चुके हैं। रविवार होने के कारण भीड़ तेजी से बढ़ रही है। होटल, लॉज और होम-स्टे पहले ही फुल हो चुके हैं। आज 10 लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है। मध्य रात्रि 2:30 बजे मंदिर के पट खोले गए। प्रथम घंटाल बजाकर मंदिर में प्रवेश किया गया। मंत्रोच्चार के साथ गर्भगृह में स्थापित सभी प्रतिमाओं का पूजन कर हरिओम का जल अर्पित हुआ। कपूर आरती के बाद पंडे-पुजारियों ने जलाभिषेक किया। फिर दूध, दही, घी, शकर और फलों के रस से बने पंचामृत से पूजन किया गया। महाकाल को भांग, चंदन और त्रिपुंड अर्पित कर राजा स्वरूप श्रृंगार किया गया। इसके बाद ज्योतिर्लिंग को कपड़े से ढांककर भस्म रमाई गई। शेषनाग का रजत मुकुट, रजत की मुंडमाल और रुद्राक्ष की माला के साथ-साथ मोगरे और गुलाब से बनी फूलों की माला अर्पित की गई।

सीएम भगवंत मान फिर अस्पताल में भर्ती

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को सोमवार शाम फिर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि उन्हें सुबह ही मोहाली के फोर्टिस अस्पताल मोहाली से डिस्चार्ज किया गया था। जानकारी के अनुसार मोगा में पार्टी रैली में शामिल होने के बाद मोहाली पहुंचते ही उन्हें सांस लेने में तकलीफ और ज्यादा थकान महसूस हुई, जिसके बाद रात करीब आठ बजे दोबारा एडमिट किया गया। डॉक्टरों की एक्सपर्ट टीम उनकी सेहत पर नजर रख रही है। इससे एक दिन पहले संगरूर के धुरी में कार्यक्रम के दौरान उनका ब्लड प्रेशर बढ़ गया था और उन्हें हेलिकॉप्टर से अस्पताल लाया गया था। हेल्थ बुलेटिन में हालत स्थिर बताई गई थी। इस बीच पंजाब भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हुए कहा कि अस्पताल जाने को अनावश्यक राजनीतिक रंग नहीं दिया जाना चाहिए।

मंड्या में केमिकल फैक्ट्री के टैंक में धमाका; दो की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के मंड्या तालुका में रविवार को एक केमिकल फैक्ट्री में बड़ा हादसा हो गया। किरती केमिकल्स इंडस्ट्रीज में केमिकल स्टोरेज टैंक फट गया। इसमें दो लोगों की मौत हो गई। हादसा करेकटे गांव के पास हुआ। टैंक का कैप गैस कटर से खोला जा रहा था। तभी अचानक धमाका हो गया।

महाराष्ट्र में एटीएस की 21 लोकेशन पर छापेमारी

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र एंटी टेररिज्म स्क्वॉड (एटीएस) ने राज्य में बड़े पैमाने पर ऑपरेशन चलाया है। मुंबई एटीएस ने सुबह से यवतमाल जिले के पुसद और उमरखेड़ में 14 जगहों और अहिल्यानगर (अहमदनगर) में 7 जगहों सर्च ऑपरेशन शुरू किया।

रिजिजू बोले-सदन चलाने विपक्ष के नेता का मैच्योर होना जरूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने रविवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तंज कसा। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर स्वर्गीय भाजपा नेता सुषमा स्वराज का पुराना वीडियों शेयर किया।

उन्होंने लिखा कि एक मैच्योर विपक्ष का नेता सदन को आसानी से चलाने और पार्लियामेंट्री डेमोक्रेसी को बेहतर बनाने में बहुत काम आता है। रिजिजू का यह बयान बजट सत्र के पहले चरण में हुए हंगामे के बाद

आया। राहुल गांधी ने चीनी टैंक की लद्दाख में घुसपैठ और पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे की किताब पर बयान देने की कोशिश की थी।

9 मार्च को नो-कॉन्फिडेंस मोशन पर बहस होगी

लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला के खिलाफ विपक्ष के नो-कॉन्फिडेंस मोशन पर बहस और वोटिंग 9 मार्च को होनी है। किरेन रिजिजू ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अगर विपक्षी पार्टियां सेशन के पहले अपना विरोध जारी रखती हैं, तो यह उनके लिए नुकसानदायक होगा।

राहुल बोले-ट्रेड डील में किसानों के साथ धोखा हो रहा

- पीएम मोदी से किए सवाल, शाह बोले- राहुल झूठ फैला रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने रविवार को भारत-अमेरिका ट्रेड डील को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी से पांच सवाल किए। उन्होंने आरोप लगाया कि इस डील के नाम पर भारतीय किसानों के साथ विश्वासघात हो रहा है। गांधी ने कहा कि यह मुद्दा देश की कृषि के भविष्य से जुड़ा है।

उन्होंने पीएम मोदी से सवाल करते हुए लिखा कि किसानों को जवाब तो मिलने ही चाहिए। यह सिर्फ आज की बात नहीं है। ये भविष्य की भी बात है।

मप्र,उप्र, राजस्थान में दो दिन बाद बारिश का अलर्ट

नईदिल्ली/लखनऊ/भोपाल/जयपुर/रायपुर/देहरादून (एजेंसी)। देश के हिमालयी इलाकों में 16 फरवरी तक दो वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव हैं। 17 फरवरी से हिमाचल, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में पहाड़ों पर बारिश-बर्फबारी के आसार हैं। वहीं मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ समेत कई राज्यों में दिन का तापमान 30 डिग्री पार हो चुका है। राजस्थान के कई जिलों में तापमान 35 डिग्री पर पहुंच गया है।

तमिलनाडु के तिरुवल्लूर, कांचीपुरम और चेन्नई, कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ और उडुपी, महाराष्ट्र के रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग में घना कोहरा छाया हुआ है। मध्य प्रदेश के कई शहरों में दिन का तापमान बढ़

गया है। राज्य में कल से मौसम बदल सकता है।

उत्तर प्रदेश के कई शहरों में पारा 30 डिग्री के पार हो चुका है। छत्तीसगढ़ में औसत तापमान में 2 डिग्री की बढ़ोतरी दर्ज की गई। राजस्थान के जयपुर, बीकानेर संभाग जिलों में 17-18 फरवरी को बारिश हो सकती है। दिल्ली का एक्यूआई खराब स्तर पर पहुंच गया है। एनसीआर में औसत तापमान 11 डिग्री दर्ज किया गया।

उत्तराखंड के ऊंचाई वाले इलाकों में ठंड का असर दिख रहा है। प्रदेश के कई शहरों का न्यूनतम तापमान माइनस 20 डिग्री से नीचे है। मुनस्यारी में सबसे कम पारा -25 डिग्री, बद्रीनाथ में -16 डिग्री, गंगोत्री में -20 डिग्री दर्ज किया गया।

अगले दो दिन का मौसम

16 फरवरी- अरुणाचल प्रदेश में कुछ जगहों पर आंधी-तूफान के साथ बारिश की आशंका।

17 फरवरी- हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में बारिश-बर्फबारी की संभावना।

राजस्थान- 17 से बदलेगा मौसम, बरसात का अलर्ट

राज्य में 17-18 फरवरी को वेस्टर्न डिस्टर्बेंस एक्टिव होगा। जयपुर, बीकानेर संभाग में कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है। वहीं, बाड़मेर में शनिवार दिन का अधिकतम तापमान 35 डिग्री पर पहुंच गया।

मध्यप्रदेश-18-19 को बारिश का अलर्ट

एमपी में मौसम फिर बदल सकता है। मौसम विभाग ने प्रदेश में बारिश का अलर्ट जारी किया है। इससे पहले दिन और रात का टेम्प्रेचर 2 से 3 डिग्री तक बढ़ा हुआ रहेगा। 8 जिलों में बारिश हो सकती है।

बिहार-20 फरवरी से खत्म हो सकती है ठंड

राज्य में धीरे-धीरे ठंड का असर खत्म होने लगा है। बीते कुछ दिनों में तापमान में बढ़ोतरी हुई है। फिलहाल सुबह और शाम हल्की ठंड महसूस हो रही है, लेकिन दिन चढ़ने के साथ मौसम गर्म हो रहा।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

बांग्लादेश में अब धर्म के नाम पर अन्याय का दौरा खत्म हो गया है

बांग्लादेश नेशनल पार्टी सुप्रीमो तारिक रहमान ने कहा है कि नए बांग्लादेश में अब धर्म के नाम पर अन्याय का दौर खत्म हो गया है। लोकतंत्र की बहाली के लिए सभी ने संघर्ष किया है। बीएनपी ने बांग्लादेश के आम चुनावों में भारी जीत दर्ज की है। बीएनपी के सुप्रीमो तारिक़ रहमान ने शनिवार को मीडिया से बात करते हुए भारत से संबंधों पर कहा कि देश की जनता के हित सर्वोपरि है। इसे ध्यान में रखते हुए हम विदेश नीति तय करेंगे। वर्तमान में भारत बांग्लादेश के आपसी रिश्तों में दूरियां बढ़ी हैं। इसका मुख्य कारण भारत और बांग्लादेश दोनों में ही धर्म की पहल करने वाली सरकार है। प्रधानमंत्री शेख हसीना के समय और उससे पहले भारत और बांग्लादेश के रिश्ते काफी मजबूत हुआ करते थे। शेख हसीना को बांग्लादेश में अपदस्थ कर दिया गया और शेख हसीना को भाग कर भारत में शरण लेनी पड़ी। बांग्लादेश में बनी कार्यकारी सरकार के समय बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों पर अत्याचार बढ़ गए। बांग्लादेश भारत को छोड़ चीन और पाकिस्तान की गोदी में बैठ गया। भारत की मोदी सरकार की भी नीति बांग्लादेश के प्रति पहले जैसी नहीं रही। यही कारण है कि भारत और बांग्लादेश के रिश्ते खराब होते गए। भारत में भी बांग्लादेश के खिलाड़ियों का भी विरोध होने लगा और फिर बांग्लादेश सरकार ने अपनी क्रिकेट टीम को भारत में खेलने नहीं भेजा। फिलहाल भारत और बांग्लादेश के आपसी रिश्ते अच्छे नहीं है। लेकिन सरकार बनाने जा रही बीएनपी पार्टी के सुप्रीमो तारिक रहमान ने प्रधानमंत्री की शपथ लेने से पहले कहा कि बांग्लादेश में अब धर्म के आधार पर अन्याय और अत्याचारों का दौर खत्म हो गया है। बांग्लादेश में अब नया दौर शुरू हो गया है। बांग्लादेश में अब जनता के कल्याण और नया बांग्लादेश बनाने के लिए नीति बनाई जाएगी। तारिक रहमान बांग्लादेश आम चुनाव से मात्र दो महीने पहले लंदन से बांग्लादेश पहुंचे थे और बांग्लादेश नेशनल लिस्ट पार्टी (बीएनपी) का नेतृत्व किया। तारिक रहमान के नेतृत्व में बीएनपी ने बांग्लादेश के आम चुनावों में दो तिहाई से ज्यादा बहुमत प्राप्त किया है। तारिक रहमान बांग्लादेश के पूर्व राष्ट्रपति ज़िया उर्रहमान और तीन बार की प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बड़े बेटे हैं। 2025 में 17 साल के निर्वासन के बाद तारिक रहमान लंदन से बांग्लादेश पहुंचे हैं। 30 दिसंबर को उनकी मां खालिदा ज़िया का इंतकाल हो गया। खालिदा की मौत के बाद रहमान को बीएनपी चीफ चुना गया और वह चुनाव में कूद गए। तारिक रहमान बीते 17 साल से बांग्लादेश से बाहर थे। लेकिन एक समय में ढाका में काफी चर्चित रहे हैं। अपनी मां खालिदा ज़िया के 2001 से 2006 के शासनकाल के लिए उन्हें डार्क प्रिंस कहा गया है। तब भले ही खालिदा ज़िया प्रधानमंत्री थी, लेकिन असली ताकत रहमान के पास थी। इस दौरान रहमान पर भ्रष्टाचार के बहुत आरोप लगे थे। तारिक रहमान के खिलाफ बांग्लादेश में भ्रष्टाचार एवं हमले के मुकदमे चल रहे हैं। तारिक रहमान पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के धुर विरोधी है। बीएनपी सरकार भारत से शेख हसीना को बांग्लादेश को सौंपने की मांग कर सकती है। यदि भारत ने शेख हसीना को बांग्लादेश को नहीं सौंपा तो फिर बांग्लादेश और भारत के बीच रिश्ते और तलख हो सकते हैं। बीएनपी पार्टी वर्तमान में भारत से अच्छे संबंधों की पहल नहीं करती दिखाई दे रही है। बीएनपी पार्टी के सुप्रीमो और बांग्लादेश के होने वाले प्रधानमंत्री तारिक रहमान की विदेश नीति क्या होगी, अभी कहना जल्दी होगा। लेकिन यह तय माना जा रहा है कि बांग्लादेश और भारत के बीच रिश्ते पहले जैसे कायम होना मुश्किल है।

शौर्य, बलिदान और राष्ट्र रक्षा की प्रतीक भारतीय सेना

भारतीय सेना दिवस हर वर्ष 15 जनवरी को मनाया जाता है, जो देश की आजादी के बाद सैन्य नेतृत्व के पूर्ण भारतीयकरण का प्रतीक है। इस दिन फील्ड मार्शल के.एम. करियप्पा को याद किया जाता है, जिन्होंने 1949 में सेना की कमान संभाली थी। यह दिवस सेना के जवानों के अदम्य साहस, अनुशासन और राष्ट्रसेवा को समर्पित है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

भारतीय सेना की जड़ें ईस्ट इंडिया कंपनी के समय की सेनाओं में हैं, जो बाद में ब्रिटिश इंडियन आर्मी बनी। 1947 में स्वतंत्रता के बाद इसे राष्ट्रीय सेना का रूप दिया गया। 15 जनवरी 1949 को जनरल के.एम. करियप्पा ने जनरल सर फ्रांसिस बुचर से कमान संभाली, जो आजाद भारत के पहले भारतीय कमांडर-इन-चीफ बने। बाद में उन्हें फील्ड मार्शल का सम्मान मिला। यह घटना ब्रिटिश सैन्य प्रभुत्व के अंत और स्वदेशी नेतृत्व की शुरुआत का प्रतीक बनी। सेना दिवस इसी ऐतिहासिक पल को चिह्नित करता है, जब भारत ने अपनी रक्षा व्यवस्था पर पूर्ण नियंत्रण स्थापित किया। करियप्पा का जन्म 1899 में हुआ था और उन्होंने प्रथम विश्व युद्ध से लेकर स्वतंत्रता के बाद के संघर्षों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी नियुक्ति ने सेना में भारतीयकरण की प्रक्रिया को तेज किया। भारतीय सेना दुनिया की सबसे बड़ी स्वैच्छिक सेनाओं में से एक है, जिसमें लगभग 12 लाख सक्रिय जवान हैं। यह संख्या के साथ-साथ गुणवत्ता में भी श्रेष्ठ है, जो आधुनिक हथियारों और स्वदेशी तकनीक से लैस है। आज के दौर में आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया अभियानों के तहत सेना स्वदेशी हथियारों जैसे अर्जुन टैंक, तेजस विमान और ब्रह्मोस मिसाइलों से मजबूत हो रही है। भारतीय सेना ने स्वतंत्रता के बाद कई युद्धों और अभियानों में अपनी वीरता सिद्ध की है। 1947-48 के कश्मीर युद्ध में सेना ने पाकिस्तानी घुसपैठियों को रोका। 1962 के चीन युद्ध, 1965 और 1971 के पाकिस्तान युद्धों में निर्णायक भूमिका निभाई, खासकर 1971 में बांग्लादेश मुक्ति का नेतृत्व किया। 1999 के कारगिल युद्ध में ऊंचाई वाली चोटियों पर दुश्मन को खदेड़ा। आतंकवाद विरोधी अभियानों में जम्मू-कश्मीर और उत्तर-पूर्व में शांति स्थापना की। संयुक्त राष्ट्र के शांति मिशनों में 2.5 लाख से अधिक सैनिकों ने भाग लिया, जो विश्व रिकॉर्ड है। प्राकृतिक आपदाओं जैसे 2013 उत्तराखंड बाढ़, 2020 गलवान संघर्ष में भी सेना ने मानवता की मिसाल कायम की। 1971 युद्ध: 93,000 पाकिस्तानी सैनिकों का आत्मसमर्पण। ऑपरेशन ब्लू स्टार (1984): आंतरिक सुरक्षा में भूमिका। सर्जिकल स्ट्राइक (2016): आतंकी ठिकानों पर हमला। सेना दिवस मुख्य रूप से दिल्ली के करियप्पा परेड ग्राउंड पर मनाया जाता है। राष्ट्रपति मुख्य अतिथि होते हैं, जहां सैन्य परेड, टैंक प्रदर्शन, हेलीकॉप्टर शो और शौर्य प्रदर्शन होते हैं। विभिन्न रेजिमेंट्स जैसे राजपूताना राइफल्स, गोरखा राइफल्स अपनी परंपराओं का प्रदर्शन करती हैं। विक्टोरिया क्रॉस और अशोक चक्र जैसे सम्मान वीरांगनाओं को दिए जाते हैं। देशभर के स्कूलों, कॉलेजों में कार्यक्रम आयोजित होते हैं। आर्मी गुडविल मिशन के तहत चिकित्सा शिविर और जागरूकता अभियान चलाए जाते हैं। भारतीय सेना की संरचना भारतीय सेना आठ कमांडों— उत्तरी, पश्चिमी, दक्षिणी, पूर्वी, मध्य, दक्षिण-पश्चिमी, प्रशासनिक और आर्मी ट्रेनिंग कमांड में विभाजित है। इसमें इन्फैंट्री, आर्टिलरी, आर्मर्ड कोर, इंजीनियर्स और सिग्नल कोर शामिल हैं। रेजिमेंट्स जैसे मराठा लाइट इन्फैंट्री, सिख रेजिमेंट अपनी अनूठी पहचान रखती हैं। महिलाओं की भूमिका बढ़ रही है, जो अब फाइटर पायलट और कमांडो बन रही हैं। सेना का मोटो "जय हिंद" और "सर्विस बिफोर सेल्फ" है। यह न केवल रक्षा करती है, बल्कि सीमा सड़क संगठन (BRO) के माध्यम से बुनियादी ढांचा विकसित करती है।

चुनौतियां और भविष्य

सेना को सीमा विवाद, आतंकवाद, साइबर हमलों जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। चीन और पाकिस्तान से तनाव के बीच आधुनिकीकरण जरूरी है। स्वदेशी उत्पादन बढ़ाकर आयात कम किया जा रहा है। अगले दशक में ड्रोन, AI और मिसाइल डिफेंस सिस्टम पर फोकस है। आगामी समय में युवा पीढ़ी को प्रेरित कर देश मजबूत बनेगा। राष्ट्र के प्रति समर्पण भारतीय सेना केवल हथियारों का समूह नहीं, बल्कि राष्ट्रहित का प्रतीक है। हर जवान "देश की नींद की रखवाली" करता है। सेना दिवस पर संकल्प लें कि हम उनके योगदान को कभी न भूलें।

अल्तमस कबीर – देश के 39वें मुख्य न्यायाधीश

अल्तमस कबीर एक भारतीय वकील और न्यायाधीश थे, जिन्होंने भारत के 39वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्य किया। अल्तमस कबीर का जन्म 19 जुलाई 1948 को कलकत्ता में फरीदपुर जिले (अब बांग्लादेश में) के एक बंगाली मुस्लिम परिवार में हुआ था। उन्होंने दार्जिलिंग के माउंट हर्मन स्कूल और कलकत्ता बॉयज़ स्कूल में शिक्षा प्राप्त की। सामाजिक मुद्दों और उनके समाधानों पर उनके एक तर्कपूर्ण लेख से प्रभावित होकर, कलकत्ता बॉयज़ स्कूल के एक शिक्षक ने उन्हें कानून में करियर बनाने की सलाह दी। प्रेसिडेंसी कॉलेज (जो उस समय कलकत्ता विश्वविद्यालय से संबद्ध था) से इतिहास में स्नातक होने के बाद, उन्होंने कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता में कानून की पढ़ाई की। उनके पिता जहांगीर कबीर, पश्चिम बंगाल के एक प्रमुख कांग्रेसी राजनेता और ट्रेड यूनियन नेता थे, जिन्होंने बी.सी. रॉय और पी.सी. सेन की सरकारों में मंत्री के रूप में कार्य किया और 1967 में पश्चिम बंगाल की पहली गैर-कांग्रेसी सरकार में भी मंत्री बने, जब अजय कुमार मुखर्जी पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री थे।

कलकत्ता विश्वविद्यालय से एम.ए. और एलएलबी की उपाधि प्राप्त करने के बाद कबीर 1973 में बार में शामिल हुए और कोलकाता में जिला न्यायालय और कलकत्ता उच्च न्यायालय, कोलकाता में दीवानी और आपराधिक कानून का अभ्यास किया। उन्हें 6 अगस्त 1990 को कलकत्ता उच्च न्यायालय का स्थायी न्यायाधीश बनाया गया। कबीर को 11 जनवरी 2005 को कलकत्ता उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के पद पर नियुक्त किया गया। वे 11 जनवरी 2005 को कलकत्ता उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश बने और 1 मार्च 2005 को झारखंड उच्च न्यायालय के स्थायी मुख्य न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत होने तक वहां कार्यरत रहे।

उन्हें 9 सितंबर 2005 को भारत के सर्वोच्च न्यायालय में न्यायमूर्ति के रूप में पदोन्नत किया गया। 29 सितंबर 2012 को वे भारत के 39वें मुख्य न्यायाधीश बने। मुख्य न्यायाधीश के रूप में नौ महीने से कुछ अधिक के कार्यकाल के बाद, वे 18 जुलाई 2013 को सेवानिवृत्त हो गए। अपने सर्वोच्च न्यायालय के कार्यकाल के दौरान, कबीर ने 362 फैसले लिखे और 698 पीठों में बैठे। मुख्य न्यायाधीश के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, वे पश्चिम बंगाल राष्ट्रीय विधि विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलाधिपति, गुजरात राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय की सामान्य परिषद के अध्यक्ष और भारत के राष्ट्रीय विधि विद्यालय विश्वविद्यालय के विजिटर थे।

सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान कबीर ने कई महत्वपूर्ण फैसले दिए, विशेष रूप से मानवाधिकार और चुनाव कानूनों के संबंध में। उनके द्वारा अध्यक्षता किए गए सबसे महत्वपूर्ण मामलों में से एक 2011 में अमरावती जिले की संध्या मनोज वानखेड़े का मामला था। इस मामले में, न्यायमूर्ति कबीर और सिरियाक जोसेफ की पीठ ने फैसला सुनाया कि पति की महिला रिश्तेदारों पर भी घरेलू हिंसा अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया जा सकता है। कबीर ने प्रमुख अधिवक्ता और (अब भंग हो चुकी) टीम अन्ना के सदस्य प्रशांत भूषण के खिलाफ अवमानना मामले की भी अध्यक्षता की, जब उन्होंने आरोप लगाया कि हाल के 16 मुख्य न्यायाधीशों में से आधे भ्रष्ट थे।

8 मई 2012 को अल्तमस कबीर और रंजना देसाई की पीठ ने सरकार को 2022 तक हज सब्सिडी समाप्त करने का आदेश दिया।

19 अक्टूबर 2012 को कबीर ने पत्रकार सैयद मोहम्मद अहमद काज़मी को ज़मानत दी, जिन्हें एक इजराईली दूतावास के वाहन विस्फोट में कथित संलिप्तता के आरोप में गिरफ्तार किया गया था, जिसमें एक इजराईली राजनयिक की पत्नी घायल हो गई थीं। आदेश सुनाते हुए कबीर ने कहा, "हम मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट द्वारा अपनाई गई प्रक्रिया को समझ नहीं पा रहे हैं, जिसे उच्च न्यायालय ने अनुमोदित किया है और हमारा मानना है कि अपीलकर्ता (काज़मी) ने 17 जुलाई 2012 को वैधानिक ज़मानत प्राप्त करने का अधिकार प्राप्त कर लिया था, जब अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश द्वारा उनकी हिरासत को अवैध घोषित किया गया था।"

2016 में, अरुणाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और राजनेता कालिको पुल ने आत्महत्या नोट में दावा किया कि कबीर ने राज्य में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) घोटाले के संबंध में गलत निर्णय दिए थे। अल्तमस कबीर की 19 फरवरी 2017 को मृत्यु हुई।

स्मार्टफोन युग की ढलान और एआई डिवाइसेस का उदय कैसे बदल रहा है वैश्विक टेक इंडस्ट्री का भविष्य और बाजार

पिछले डेढ़ दशक में स्मार्टफोन ने जिस तरह से हमारी ज़िंदगी, कारोबार और संवाद के तरीकों को बदला है, वैसा बदलाव आधुनिक इतिहास में बहुत कम देखने को मिलता है। एपल का आईफोन और गूगल का एंड्रॉइड ऑपरेटिंग सिस्टम मिलकर टेक्नोलॉजी बिज़नेस की सबसे मुनाफ़ेदार डुओपॉली बन चुके हैं। एक तरफ़ एपल अपने हार्डवेयर और प्रीमियम ब्रांड वैल्यू से कमाई करता है, तो दूसरी ओर गूगल एंड्रॉइड और सर्च इकोसिस्टम के ज़रिये अरबों डॉलर का विज्ञापन कारोबार खड़ा कर चुका है। लेकिन अब यह स्थापित व्यवस्था पहली बार गंभीर चुनौती के दौर में प्रवेश करती दिख रही है। ओपनएआई, मेटा, अमेज़न और यहां तक कि खुद एपल जैसी कंपनियां भी स्मार्टफोन के विकल्प तलाशने में जुट गई हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित नए डिवाइसेस, स्मार्ट ग्लासेस, वियरेबल पिन और वॉयस-आधारित असिस्टेंट आने वाले समय में मोबाइल फोन की भूमिका को सीमित कर सकते हैं। यही वजह है कि एनालिस्ट मान रहे हैं कि 2026 स्मार्टफोन इंडस्ट्री के लिए आसान साल नहीं होगा।

इस साल 6% गिरेगी स्मार्टफोन शिपमेंट

मार्केट रिसर्च फर्म काउंटरपाइंट रिसर्च के अनुसार, 2026 में ग्लोबल स्मार्टफोन शिपमेंट में लगभग 6 फीसदी की गिरावट आ सकती है। इससे पहले अनुमान था कि गिरावट केवल 2 फीसदी रहेगी, लेकिन बदलते हालात ने तस्वीर और भी धुंधली कर दी है। दिलचस्प बात यह है कि 2025 में स्मार्टफोन सप्लाई में लगभग 2 फीसदी की मामूली बढ़ोतरी देखी गई थी, लेकिन वह तेजी टिकाऊ साबित नहीं हो सकी। इस गिरावट के पीछे कई कारण हैं—मेमोरी चिप्स की कीमतों में भारी इज़ाफ़ा, सेमीकंडक्टर फाउंड्री की बढ़ती प्रतिस्पर्धा, और सबसे अहम, कंज्यूमर का धीरे-धीरे स्मार्टफोन से हटकर नए तरह के डिवाइसेस की ओर झुकाव।

मेमोरी चिप्स बनीं बड़ी परेशानी

स्मार्टफोन की लागत बढ़ने का सबसे बड़ा कारण मेमोरी चिप्स के दाम हैं। पिछले 15 महीनों में, स्मार्टफोन में आम तौर पर इस्तेमाल होने वाली 12 जीबी रैम वाली मेमोरी चिप की कीमत बढ़कर लगभग 70 डॉलर तक पहुंच गई है। यह बढ़ोतरी सीधे तौर पर फोन की कीमत पर असर डाल रही है। कम कीमत वाले फोन बनाने वाली कंपनियों के लिए यह स्थिति और भी मुश्किल है। उन्हें या तो कीमतें बढ़ानी पड़ रही हैं या फिर अपने मुनाफ़े में कटौती करनी पड़ रही है। दूसरी ओर, प्रीमियम सेगमेंट में आईफोन बेचने वाली एपल का मार्जिन भी दबाव में आ सकता है, क्योंकि बढ़ती लागत को पूरी तरह कंज्यूमर पर डालना आसान नहीं होता।

फाउंड्री वॉर और सेमीकंडक्टर संकट

एनालिस्ट यांग वांग के मुताबिक, स्मार्टफोन इंडस्ट्री के सामने एक और बड़ी चुनौती है—फाउंड्री वॉर। अब तक एपल और सैमसंग जैसी कंपनियां टीएसएमसी (TSMC) जैसी बड़ी सेमीकंडक्टर फाउंड्री की सबसे बड़ी कस्टमर रही हैं। लेकिन अब इस दौड़ में एनवीडिया जैसी एआई चिप बनाने वाली कंपनियां भी शामिल हो गई हैं। एआई के बढ़ते इस्तेमाल ने हाई-एंड चिप्स की मांग को अचानक बढ़ा दिया है। इसका नतीजा यह है कि स्मार्टफोन कंपनियों को या तो ज्यादा कीमत चुकानी पड़ रही है या फिर सप्लाई में देरी झेलनी पड़ रही है। यह स्थिति आने वाले कुछ वर्षों तक बनी रह सकती है।

ओपनएआई, मेटा और अमेज़न की नई रणनीति

स्मार्टफोन के विकल्प तलाशने वाली कंपनियों में सबसे बड़ा नाम ओपनएआई का है। 19 जनवरी को ओपनएआई ने घोषणा की कि वह इस साल अपनी नई डिवाइस पेश करेगी। इस डिवाइस को लेकर सबसे ज्यादा चर्चा इसलिए है क्योंकि इसे ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन और एपल के पूर्व दिग्गज डिज़ाइनर सर जॉनी इवे मिलकर विकसित कर रहे हैं। इस संभावित डिवाइस को स्मार्टफोन के बाद के युग की शुरुआत माना जा रहा है—एक ऐसा डिवाइस जो स्क्रीन पर कम और एआई इंटरैक्शन पर ज्यादा निर्भर होगा। यही वजह है कि एपल भी इस दिशा में सतर्क हो गई है और अपने वियरेबल पिन तथा स्मार्ट ग्लास जैसे प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही है। मेटा, जो दुनिया की सबसे बड़ी सोशल मीडिया कंपनी है, स्मार्ट ग्लासेस पर भारी निवेश कर रही है। इन ग्लासेस में इन-बिल्ट कैमरे, डिस्प्ले लेंस और व्हाट्सएप जैसे मैसेजिंग प्लेटफॉर्म से जुड़ी सुविधाएं होंगी। इससे यूज़र के लिए कंटेंट बनाना और शेयर करना बेहद आसान हो जाएगा। अमेज़न भी पीछे नहीं है। उसने हाल ही में अपना नया एआई असिस्टेंट 'एलेक्सा प्लस' और इको स्मार्ट स्पीकर पेश किया है। कंपनी जल्द ही इको स्मार्ट ग्लासेस और इयर बड्स लॉन्च करने की तैयारी में है। अमेज़न की रणनीति साफ है—हर जगह अपनी मौजूदगी बढ़ाना, ताकि उसका ई-कॉमर्स और सर्विस बिज़नेस और मज़बूत हो सके।

ऐप स्टोर कमीशन बनाम एआई सब्सक्रिप्शन

एपल और गूगल का एक बड़ा फायदा उनका ऐप स्टोर इकोसिस्टम है। डेवलपर्स को एपल के ऑपरेटिंग सिस्टम पर चलने वाले ऐप्स के ज़रिये होने वाली खरीद पर 30 फीसदी तक कमीशन देना पड़ता है। यह मॉडल एपल के लिए बेहद फायदेमंद रहा है। लेकिन ओपनएआई जैसी कंपनियों के लिए यह मॉडल चुनौती बन सकता है। ओपनएआई की सबसे बड़ी कमाई कंज्यूमर सब्सक्रिप्शन से होती है। यदि यूज़र आईफोन या एंड्रॉइड डिवाइस के ज़रिये कोई खरीदारी करता है, तो कंपनी को प्लेटफॉर्म ओनर को हिस्सा देना पड़ता है। यही वजह है कि ओपनएआई और अन्य एआई कंपनियां ऐसे डिवाइसेस बनाना चाहती हैं जो सीधे कंज्यूमर से जुड़ें और ऐप स्टोर कमीशन से मुक्त हों। मेटा इस मामले में अपेक्षाकृत सुरक्षित है, क्योंकि उसकी कमाई का बड़ा हिस्सा विज्ञापन से आता है। यदि यूज़र मेटा के प्लेटफॉर्म्स पर ज्यादा समय बिताएंगे, तो कंपनी को ज्यादा विज्ञापन राजस्व मिलेगा।

कंज्यूमर व्यवहार में बदलाव

स्मार्टफोन के विकल्पों की खोज केवल कंपनियों की रणनीति नहीं है, बल्कि कंज्यूमर व्यवहार में भी बदलाव के संकेत मिल रहे हैं। लोग अब हर काम के लिए फोन स्क्रीन पर निर्भर रहना नहीं चाहते। वॉयस कमांड, वियरेबल डिवाइसेस और एआई चैटबॉट्स धीरे-धीरे रोज़मर्रा की ज़िंदगी का हिस्सा बनते जा रहे हैं। स्मार्ट ग्लासेस का आकर्षण इसी वजह से बढ़ रहा है। यदि मैसेज, नोटिफिकेशन और कैमरा फीचर सीधे आंखों के सामने हों, तो फोन निकालने की ज़रूरत कम हो सकती है। मेटा और अमेज़न इसी भविष्य को ध्यान में रखकर अपनी रणनीति बना रहे हैं।

"भारत का आर्थिक कायाकल्प: अगले दशक में डिजिटल, विनिर्माण और कौशल आधारित समावेशी विकास की दिशा"

भविष्य के भारत के लिए सही रास्ता चुनना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। आम तौर पर, हम किसी देश की आर्थिक प्रगति को केवल जीडीपी वृद्धि के आंकड़ों से मापते हैं। लेकिन भारत के संदर्भ में ऐसा करना पूरी तस्वीर को समझने का अधूरा प्रयास ही माना जाएगा। हमारे सामने जो बदलाव आकार ले रहे हैं, वे केवल विकास की गति से नहीं बल्कि उसके स्वरूप और प्रकृति में आए परिवर्तन से जुड़े हैं। देश ने एक नाजुक और असंतुलित अर्थव्यवस्था से कदम बढ़ाकर एक ऐसी अर्थव्यवस्था की ओर रुख किया है, जो पूंजीगत व्यय, डिजिटल आधारभूत ढांचे और संस्थागत क्षमताओं पर आधारित है। हाल के वर्षों में राज्य क्षमता में विस्तार, सार्वजनिक वस्तुओं का निर्माण और नागरिकों तक उनकी बेहतर पहुंच सुनिश्चित करने के लिए उल्लेखनीय निवेश हुआ है। हालांकि, असली चुनौती यह है कि इन बुनियादी परिवर्तनों को दीर्घकालिक उत्पादकता और समावेशी लाभों में कैसे बदलें। केवल निवेश और योजनाओं की घोषणा पर्याप्त नहीं है; इसे जमीन पर वास्तविक बदलाव और परिणामों में बदलना जरूरी है।

रोजगार और कौशल: औपचारिकता से गुणवत्ता की ओर

भारत में औपचारिककरण का स्तर बढ़ा है, लेकिन कौशल और रोजगार की गुणवत्ता में अभी भी कई बाधाएँ हैं। हाल के आंकड़े बताते हैं कि औसतन हर साल लगभग बीस लाख नए कर्मियों का मासिक जुड़ाव हो रहा है। यह डिजिटलीकरण और कर सुधारों के सकारात्मक प्रभाव को दर्शाता है। बेरोजगारी दर लगभग पांच प्रतिशत के आसपास स्थिर रहना भी एक स्थायित्व और मजबूती का संकेत है। लेकिन केवल औपचारिक रोजगार ही पर्याप्त नहीं है। रोजगार की उत्पादकता और गुणवत्ता समान रूप से बढ़नी चाहिए। महिला रोजगार भागीदारी लगभग 40 प्रतिशत तक पहुँच चुकी है, जो उत्साहजनक है, लेकिन इसका बड़ा हिस्सा ग्रामीण क्षेत्रों में कम वेतन या अवैतनिक कार्यों में केंद्रित है। इसलिए अगला कदम रोजगार की गुणवत्ता और कौशल आधारित प्रगति पर होना चाहिए। इस दिशा में कौशल प्रमाणन, अप्रेंटिसशिप और उद्योग-केंद्रित प्रशिक्षण कार्यक्रम निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। विशेषकर विनिर्माण और सेवा क्षेत्र में ऐसे कार्यक्रम युवा प्रतिभाओं को औद्योगिक और तकनीकी माहौल के अनुकूल बना सकते हैं। इसके परिणामस्वरूप न केवल रोजगार बढ़ेगा बल्कि उत्पादकता में भी सुधार होगा।

विनिर्माण क्षेत्र और उद्योग नीति

विनिर्माण क्षेत्र में हाल के वर्षों की सबसे बड़ी सफलता इलेक्ट्रॉनिक्स नीति रही है। मात्र एक दशक में भारत मोबाइल फोन आयातक से घरेलू उत्पादन केंद्र के रूप में उभरा है। 2015 में 2,11,100 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड सार्वजनिक पूंजीगत व्यय और नीतिगत सहायता ने इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात को पिछले ग्यारह वर्षों में 14,15,000 करोड़ रुपये तक बढ़ा दिया। यह स्पष्ट करता है कि यदि सही नीतिगत समर्थन और निवेश मिल जाए तो भारत औद्योगिक नीति को प्रभावी रूप से लागू कर सकता है। हालांकि, यह सफलता केवल एक सीमा तक ही सीमित है। जीडीपी में विनिर्माण की हिस्सेदारी अभी भी लगभग 16 प्रतिशत है और केवल इलेक्ट्रॉनिक्स के सहारे व्यापक रोजगार सृजन संभव नहीं। टेक्सटाइल, फुटवियर और खिलौने जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों में इस प्रकार की सफलता अभी प्रारंभिक अवस्था में ही दिख रही है। इसलिए राज्य प्रोत्साहनों का उचित संयोजन, एमएसएमई अनुपालन में सरलीकरण, लाजिस्टिक्स और बंदरगाह दक्षता में सुधार महत्वपूर्ण हैं। निवेश को गति देने के लिए कारोबारी सुगमता में सुधार ने भी अहम भूमिका निभाई है। पुराने कानूनों को हटाना, डिजिटल स्वविकृति और फेसलेस अनुपालन ने संचालन और विस्तार को आसान बनाया है। जीएसटी के तहत 1.4 करोड़ व्यवसायों का जुड़ना प्रशासनिक सरलीकरण की एक बड़ी उपलब्धि है। लेकिन छोटे और मध्यम उद्यमों के लिए जमीनी अनुभव अभी भी मिश्रित हैं। कई बार उन्हें प्रक्रियाओं और तकनीकी बदलावों को अपनाने में कठिनाई होती है।

डिजिटल अर्थव्यवस्था और वित्तीय समावेशन

डिजिटलीकरण ने व्यवसायों और नागरिकों के जीवन में क्रांतिकारी बदलाव लाए हैं। डिजिटल भुगतान, ऑनलाइन कर अनुपालन, और बैंकिंग सेवाओं तक आसान पहुंच ने देश में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा दिया है। हालांकि, डिजिटलीकरण के बावजूद कौशल अंतराल और तकनीकी बाधाएं बनी हुई हैं। ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में डिजिटल साक्षरता की कमी एक चुनौती है। इसे दूर करने के लिए प्रशिक्षण केंद्र, मोबाइल एप्स और स्थानीय स्तर पर डिजिटल शिक्षा केंद्र महत्वपूर्ण हैं। डिजिटल आधारभूत ढांचे के विस्तार ने न केवल रोजगार को औपचारिक बनाने में मदद की है बल्कि व्यवसायों की उत्पादकता और प्रतिस्पर्धात्मकता में भी सुधार किया है। इस परिवर्तन का दीर्घकालिक लाभ तभी मिलेगा जब इसे समावेशी और स्थायी रोजगार में बदल दिया जाए।

आर्थिक स्थायित्व और निवेश

भारत की अर्थव्यवस्था ने हाल के वर्षों में असंतुलित और कमजोर स्थिति से मजबूत और स्थायी अर्थव्यवस्था की ओर कदम बढ़ाया है। पूंजीगत व्यय में वृद्धि, सार्वजनिक वस्तुओं की बेहतर पहुंच, और संस्थागत क्षमता के विस्तार ने निवेशकों का भरोसा बढ़ाया है। निवेश को गति देने के लिए राज्य प्रोत्साहनों के साथ-साथ कारोबारी सुगमता में सुधार, कानूनों का सरलीकरण और डिजिटल अनुपालन की सुविधा महत्वपूर्ण रहे हैं। एमएसएमई सेक्टर, टेक्सटाइल, फुटवियर और खिलौने जैसे क्षेत्रों में निवेश को बढ़ाने के लिए अनुकूल नीतिगत वातावरण, लाजिस्टिक्स सुधार और निर्यात को बढ़ावा देने वाले उपाय आवश्यक हैं।

भविष्य की दिशा और समावेशी विकास

आने वाले दशक में भारत के लिए मुख्य चुनौती यह होगी कि मौजूदा बदलाव और प्रगति को कैसे स्थायी और समावेशी बनाया जाए। केवल आर्थिक विकास दर को बढ़ाना पर्याप्त नहीं है; रोजगार की गुणवत्ता, महिला भागीदारी, कौशल आधारित प्रगति और ग्रामीण विकास को भी सुनिश्चित करना जरूरी है। इसके लिए सरकार, निजी क्षेत्र और नागरिक समाज को मिलकर काम करना होगा। कौशल प्रशिक्षण, अप्रेंटिसशिप, डिजिटल शिक्षा, उद्योग-केंद्रित नीतियां और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना प्रमुख कदम होंगे। यदि यह दिशा सही ढंग से अपनाई गई, तो भारत अगले दशक में न केवल आर्थिक रूप से मजबूत होगा बल्कि समावेशी और तकनीकी रूप से सक्षम राष्ट्र के रूप में दुनिया में अपनी जगह मजबूत करेगा। संक्षेप में कहा जा सकता है कि भारत का आर्थिक कायाकल्प केवल जीडीपी वृद्धि तक सीमित नहीं है।

एक कमरे में पाँच कक्षाएं, यह है सरकारी स्कूल का हाल

-स्कूल परिसर बना कचरे का ढेर, शराब की खाली बोतलें देखने को मिलती हैं
-शास्त्री नगर में महात्मा गाँधी कॉलोनी स्थित महात्मा गाँधी राजकीय प्राथमिक विध्यालय की स्थिति बेहाल

जावेद अख्तर

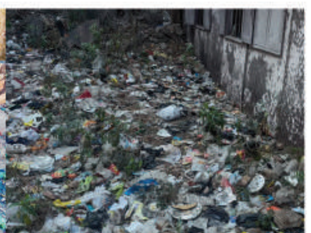

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । जयपुर के शास्त्री नगर क्षेत्र की महात्मा गांधी कॉलोनी में स्थित महात्मा गांधी राजकीय प्राथमिक विद्यालय (कक्षा 1 से 5) की हालत गंभीर और चिंताजनक बनी हुई है। स्कूल परिसर और उसके आस-पास हर तरफ कचरा फैला हुआ है। शराब की खाली बोतलें, टूटे हुए काँच, प्लास्टिक और गंदगी से भरा ग्राउंड बच्चों की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन चुका है। यह स्कूल शिक्षा का मंदिर कम शिक्षा विभाग और स्कूल प्रशासन की लापरवाही का उदाहरण ज्यादा नजर आता है।

नशेड़ियों से बच्चों की सुरक्षा खतरे में-

विद्यालय पहाड़ियों के बीच स्थित है। पहाड़ियों से नशेड़ी और असामाजिक तत्व अक्सर स्कूल परिसर की ओर पत्थर फेंकते हैं। इससे बच्चों और स्टाफ में डर का माहौल बना रहता है। शिकायतों के बावजूद प्रशासन और संबंधित विभागों ने अब तक कोई ठोस सुरक्षा व्यवस्था नहीं की है।

छत टपकने से कक्षाएं प्रभावित रहती-

स्कूल भवन जर्जर हालत में है। टीन शेड की छत से बारिश में पानी टपकता है, जिससे फर्श गीली हो जाती है और फिसलने का खतरा बना रहता है। वहीं गर्मी में टीन शेड तेज़ तपने से कक्षा कक्ष बेहद गर्म हो जाता है, जिससे बच्चों को बैठने और पढ़ने में परेशानी होती है।

सुबह पढ़ाई नहीं सफाई करवाई जाती-

सबसे गंभीर स्थिति यह है कि सुबह जब बच्चे स्कूल पहुंचते हैं, तो उन्हें पढ़ाई से पहले स्कूल परिसर की सफाई करनी पड़ती है। कचरा, टूटे काँच और गंदगी हटाने का काम मासूम बच्चों से कराया जाता है। इससे बच्चों के घायल होने का खतरा हमेशा बना रहता है।

शिक्षकों की कमी से पढ़ाई चौपट-

विद्यालय में तीन शिक्षक पदस्थापित हैं, लेकिन नियमित रूप से केवल एक ही शिक्षक उपस्थित रहती हैं, जबकि दो अन्य बीएलओ ड्यूटी में लगे हैं। स्कूल में केवल दो कक्षा कक्ष है, जिसमें पहली से पाँचवीं तक के सभी बच्चे एक साथ बैठकर पढ़ते हैं। शिक्षकों की कमी के कारण न तो अलग-अलग कक्षाएं संचालित हो पा रही हैं और न ही बच्चों को पढ़ाई का उचित वातावरण मिल पा रहा है।

अनुमति न मिलने से विकास ठप-

विद्यालय परिसर में पर्याप्त जगह होने के बावजूद भवन विस्तार और विकास कार्यों की अनुमति नहीं मिल पाई है। संबंधित विभागों द्वारा आसपास की जमीन को जंगलात भूमि है, जिस कारण स्कूल में अतिरिक्त कक्षों का निर्माण नहीं हो सका। अनुमति के अभाव में वर्षों से विद्यालय में केवल एक ही कक्षा कक्ष है । यह स्कूल जयपुर की हवा महल विधानसभा क्षेत्र में आता है, जहां से हिन्दुत्व का झण्डा उठाये रहने वाले बाबा बालमुकुंद आचार्य विधायक हैं।

हज़रत सैयद मासूम अली शाह र. का उर्स आयोजित

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । हज़रत सैयद मासूम अली शाह रहमतुल्ला अलैह का 3 दिन का उर्स 8 फरवरी नमाजे फ़ज्र कुरआनखानी, बाद नमाज इशा मिलाद शरीफ, 9 फरवरी बाद नमाज-ए-इशा गिलाफ़े चादर पेश हुई व महफिले समा रात रूहानी महफिल हुई । कव्वाली में हाजी टिम्पु गुलफाम (सिकंदर वारसी सरफराज साबरी कादरी कव्वाल, हमीद साबरी व मोहम्मद इस्लामुद्दीन, मोहम्मद अमीन खान चिश्ती साबरी समाजसेवी, शरीफ बाबा अयाज भाई फरीद भाई, रियाज भाई फैसल भाई व सैंकड़ों अक़ीदतमंदों ने उर्स में शिरकत की । कुल की फ़ातेहा व लंगर 10 फरवरी को हुआ व दुआ में भारत शहर व जयपुर के लिये अमन चैन की दुआ की गई । उर्स मस्जिद गोला अंवाजान तोपखाना हुजूरी, जयपुर में होकर उर्स तकमील हुआ । उर्स मुबारक की सदारत सूफी कमालुद्दीन कादरी सज्जादानशीन की सरपरस्ती में हुई ।

देशभक्ति गीतों के साथ पुलवामा हमले के शहीदों को दी श्रद्धांजलि

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। सवाई माधोपुर में रविवार को देशभक्ति और एकता की भावना से ओत-प्रोत माहौल देखने को मिला। समाज में अमन, सुकून, भाईचारे और राष्ट्रवाद की सकारात्मक सोच को बढ़ावा देने वाली टीम वतन फाउंडेशन द्वारा पुलवामा में हुए आतंकी हमले में शहीद हुए वीर जवानों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम का आयोजन रेलवे स्टेशन के सामने किया गया, जहां बड़ी संख्या में युवाओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने हाथों में तिरंगा और कैंडल लेकर देशभक्ति गीतों के साथ शहीदों को नमन किया। वातावरण वीर शाहिद अमर रहे 'भारत माता की जय' के नारों से गूंज उठा। उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर शहीदों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। ज्ञात हो कि 14 फरवरी 2019 को पुलवामा में हुए आतंकी हमले में 40 से अधिक सीआरपीएफ जवान वीरगति को प्राप्त हुए थे। इस हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था। इस अवसर पर हुसैन आर्मी ने भावुक शब्दों में कहा कि जब पुलवामा हमला हुआ, उस समय उनकी पोस्टिंग भी जम्मू-कश्मीर में ही थी। उन्होंने बताया कि वह समय बेहद खौफनाक और तनावपूर्ण था। "उस दौर की स्थिति को शब्दों में बयां करना आसान नहीं है। हर जवान के मन में देश की रक्षा का जज्बा था, लेकिन हालात बेहद चुनौतीपूर्ण थे," उन्होंने कहा। टीम वतन फाउंडेशन के सदस्यों ने कहा कि उनका उद्देश्य केवल श्रद्धांजलि देना ही नहीं, बल्कि समाज में भाईचारे और सकारात्मक राष्ट्रवाद का संदेश फैलाना भी है। संस्था पिछले कई वर्षों से राष्ट्रीय पर्वों और विशेष अवसरों पर सामाजिक एकता और देशभक्ति से जुड़े कार्यक्रम आयोजित करती आ रही है। कार्यक्रम में महेश योगी, वकार खान, सोनू खान, विमल पांडे, अमन वाल्मीकि, आशीष मेहरा, मग़रूफ़ खान, सबीना खान, धारा सिंह, विष्णु मीणा, उरूज हुसैन, अली हुसैन आदि ने अंत में संकल्प लिया कि वे देश की एकता, अखंडता और सद्भाव बनाए रखने के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे तथा शहीदों के बलिदान को सदैव याद रखेंगे।

भाजपा अल्पसंख्यक प्रदेश अध्यक्ष के दौरे पर जिला मुख्यालय पर नहीं दिखा स्थानीय नेताओं का जमावड़ा

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। सवाई माधोपुर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चे के प्रदेश अध्यक्ष हमीद खान मेवाती को भाजपा की और से पुनः प्रदेश अध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चे के पद पर नियुक्त होने के बाद प्रथम बार सवाई माधोपुर दौरा हुआ। अल्पसंख्यक स्नेह संवाद कार्यक्रम आलनपुर स्थित एक मैरिज गार्डन में रखा गया जिसमें स्थानीय आमंत्रित किए गए अतिथि अनुपस्थित रहे, भाजपा के प्रत्येक कार्यक्रमों में लगने वाला जमावड़ा दिखाई नहीं दिया। जबकि भाजपा में प्रदेश का कोई भी नेता जिला मुख्यालय पर दौरे के लिए आते हैं तो कार्यकर्ताओं का जोश उत्साह जबरदस्त देखने को मिलता है।

हेरिटेज वार्ड 80 में पानी संकट, गंदगी और सीवरेज जाम से लोग परेशान, निगम का झूठा दावा

हरी चौधरी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर के वार्ड नंबर 80, जो नगर निगम के पुनर्गठन के बाद वार्ड 118–119 में शामिल हो चुका है, में मूलभूत सुविधाओं को लेकर लोगों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि पिछले एक महीने से कचरा उठान नहीं हुआ। 12–15 दिनों से पानी की सप्लाई ठप है और सीवरेज चैंबर ओवरफ्लो होने से सड़कों पर गंदा पानी बह रहा है। वहीं नगर निगम अधिकारियों का कहना है कि सफाई और जेटिंग का कार्य लगातार कराया जा रहा है।

लेकिन वही मोहम्मद नामक स्थानीय निवासी ने बताया कि कई बार नगर निगम और पार्षद को शिकायत दी गई, लेकिन समाधान नहीं हुआ। उनका कहना है कि "सीधे चौक में कचरा पड़ा है, 15 दिन से पानी नहीं आया। पाइपलाइन टूट गई है। कॉल करने पर अधिकारी आश्वासन देते हैं, पर काम नहीं होता।" क्षेत्र की महिलाओं ने भी पीने के पानी की किल्लत और खुले सीवरेज से बच्चों के गिरने का खतरा बताया। एक अन्य निवासी आकिब अली के अनुसार, "कई बार पार्षद और अधिकारियों के पास गए, लेकिन सुनवाई नहीं हुई। टैंकर और बोरिंग से काम चलाना पड़ रहा है।"

पार्षद पर फोन न उठाने का आरोप-

स्थानीय लोगों ने क्षेत्र के पार्षद पारस जैन पर फोन न उठाने और मौके पर न आने का आरोप लगाया। मीडिया के सामने भी कॉल करने पर फोन रिसीव नहीं हुआ। लोगों का कहना है कि चुनाव के समय ही जनप्रतिनिधि सक्रिय नजर आते हैं।

यह वार्ड आदर्श नगर विधानसभा क्षेत्र में आता है । कोंग्रेसी पार्षद पारस जैन विधायक रफ़ीक़ खान के चहेते बताए जा रहे हैं ।

स्कूल के पास गंदगी, बच्चों पर खतरा-

क्षेत्र में एक स्कूल के पास गड्ढों और गंदगी की स्थिति गंभीर बताई गई है। अभिभावकों का कहना है कि बदबू और गंदे पानी से बच्चों के स्वास्थ्य पर खतरा बना हुआ है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि विधायक निधि से भी अब तक कोई ठोस कार्य नहीं हुआ।

निगम का पक्ष: "पूरी रात चला सफाई अभियान"-

निगम अधिकारियों ने बताया कि पुनर्गठन के बाद यह क्षेत्र वार्ड 119 में आता है। अधिकारियों के अनुसार, "पिछले दो दिनों से रात में मिनी जेटिंग मशीनों से सफाई करवाई गई है। डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण नियमित है। सीवरेज की समस्या के लिए अलग वाहन और सुपर सकर मशीन तैनात की गई है।"

अधिकारियों ने यह भी कहा कि यदि किसी विशेष स्थान पर समस्या है तो क्षेत्रवासी व्यक्तिगत रूप से मिलकर शिकायत दर्ज कराएं, प्राथमिकता से समाधान किया जाएगा।

सवाल बरकरार

जमीन पर बदहाल हालात और अधिकारियों के दावों के बीच सच्चाई क्या है, यह बड़ा सवाल बन गया है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि ऐप और कागजी कार्यवाही से अलग धरातल पर स्थिति गंभीर है। अब देखना यह है कि नगर निगम और जनप्रतिनिधि कब तक इस समस्या का स्थायी समाधान करते हैं।

शब्बीरुल हसन मेमोरियल सोसायटी द्वारा छात्रों का सम्मान किया गया

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । 15 फरवरी रविवार को शब्बीरुल हसन मेमोरियल सोसायटी जयपुर (रजि.) ज़हीरूल हसन क्रिकेट (स्पोर्टस) क्लब व मोहम्मडन स्पोर्टस क्लब जयपुर (रजि.) क्रिकेट संघ जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में चल रहे रोशनी ट्यूशन सेन्टर में सैकण्डरी कक्षा (क) के छात्रों का सम्मान किया गया। पिछले चार माह से यह सेन्टर चल रहा है। इसमे छात्रों को विशेष तैयारी कराई गई । जिससे छात्र-छात्रा परीक्षा में अच्छे अंको से उत्तीर्ण है। इस अवसर पर संस्था व क्लब के पदाधिकारी उपस्थित थे। जिसे ताहिर हसन, माहिरुल हसन, सैयद ज़हीरुल हसन, तबस्सुम शहनाज़ खान, तबस्सुम मोईन, रामअवतार शर्मा, अमीन उद्दीन हम्माद हसन, सैयद अली हसन सचिव ज़हीरुल हसन (मोहम्मडन स्पोर्टस क्लब) ने संस्था व क्लब की गतिविधियों की जानकारी दी ।

बलाई विकास समिति द्वारा 8 मार्च को होगा महिलाओं का सम्मान समारोह

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। शहर के मोरीजा रोड स्थित बलाई समाज सभा-भवन पर बलाई विकास समिति जयपुर (मुख्यालय-चौमूं) के द्वारा 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं का सम्मान समारोह आयोजित होगा। समिति के अध्यक्ष एडवोकेट बद्रीनारायण परिहार व महासचिव सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया ने बताया कि समाज में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली एवं समारोह में आने वाली सभी महिलाओं को सम्मानित किया जाएगा। बद्रीनारायण परिहार व महासचिव सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया ने बताया कि समारोह को सफल बनाने को लेकर समाजसेवी सुमन देवी मेहरिया, ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी जयपुर के सेवानिवृत उप प्रबंधक लालाराम मेहरडा, सनराइज होटल बिलौची मैनेजर गोपीराम मेहरडा को मुख्य संयोजक एवं बैंक शाखा प्रबंधक अल्का बरी, जालसू पंसस. व एससी प्रकोष्ठ जयपुर जिला देहात कांग्रेस सचिव सुनीता वर्मा, सिंगोद खुर्द पूर्व सरपंच विमला देवी सरावता, गोविंदगढ पंसस. व समाजसेवी राधेश्याम खारडिया, समाजसेवी सायरचंद बुनकर, समिति उपाध्यक्ष नाथूलाल बराला, कालूराम सामरिया, एडवोकेट राधेश्याम बुनकर, राजपाल सिंह नारनोलिया, सेडूराम मेदवाल, उपमहासचिव हनुमान सहाय झांटीवाल, उपकोषाध्यक्ष नानगराम लुनीवाल, सचिन सांवरमल छेड़वाल, सदस्य घीसालाल बबेरवाल, तुलसीराम बामनिया को सहसंयोजक बनाया गया है।

त्योहारों पर कानून व्यवस्था एवं सांप्रदायिक सौहार्द से नहीं होगा कोई समझौता - कलक्टर

-संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त जाब्ता, भ्रामक पोस्ट करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

जयपुर । आगामी त्योहारों के मद्देनजर जिले में कानून व्यवस्था सुदृढ़ रखने तथा सांप्रदायिक सौहार्द एवं आपसी सद्भाव बनाए रखने के उद्देश्य से जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने सभी संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि प्रत्येक स्तर पर समन्वय एवं संवाद कायम रखते हुए किसी भी प्रकार से कानून व्यवस्था बिगाड़ने वाले तत्वों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। सोमवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला शांति समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिला कलक्टर ने विभिन्न धार्मिक, सामाजिक एवं गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ विस्तृत चर्चा की। उन्होंने होली, रमजान, चेटीचंड, नवरात्रि, रामनवमी एवं ईद जैसे आगामी पर्वों के दौरान शांति, सौहार्द और भाईचारे का वातावरण बनाए रखने की अपील की। जिला कलक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि क्षेत्र के मौजीज व्यक्तियों एवं धर्मगुरुओं के साथ निरंतर संवाद स्थापित रखा जाए। सभी पुलिस थानों में नियमित रूप से सीएलजी एवं शांति समिति की बैठकें आयोजित कर संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान की जाए। संदिग्ध व्यक्तियों, स्थानों तथा भ्रामक एवं साम्प्रदायिक तनाव भड़काने वाले तत्वों पर पैनी नजर रखते हुए उनके विरुद्ध विधि अनुसार कठोर कार्रवाई की जाए। उन्होंने विशेष रूप से सोशल मीडिया की सतत् मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिये कि भ्रामक, अफवाह फैलाने वाले अथवा उत्तेजक पोस्ट करने वालों के विरुद्ध तत्काल प्रभाव से सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाए। धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों से भी अपील की गई कि वे आमजन को अफवाहों से सावधान रहने एवं सत्यापित जानकारी पर ही विश्वास करने के लिए जागरूक करें। जिला कलक्टर ने पुलिस अधिकारियों को नाकाबंदी एवं गश्त व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य बाजारों, पर्यटन स्थलों, धार्मिक स्थलों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन तथा अन्य भीड़भाड़ एवं संवेदनशील स्थानों पर पर्याप्त पुलिस जाप्ता तैनात करने तथा संभावित तनावपूर्ण क्षेत्रों को चिन्हित कर अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही, पुलिस विभाग, नगर निगम, विद्दुत विभाग, जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग, नागरिक सुरक्षा विभाग तथा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग सहित सभी संबंधित विभागों को त्योहारों के दौरान अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन अतिरिक्त सतर्कता एवं समन्वय के साथ करने के निर्देश दिए गए, ताकि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

बैठक में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त राजीव पचार, यातायात पुलिस उपायुक्त सुमित मेहरड़ा, पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम हनुमान प्रसाद मीणा, पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करण शर्मा, अतिरिक्त जिला कलक्टर युगांतर शर्मा सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी एवं विभिन्न धार्मिक, सामाजिक एवं गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मजदूर विरोधी नीतियों के खिलाफ श्रम संगठनों ने रैली निकाली

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । मजदूर विरोधी नीतियों एवं नए काले श्रम कानूनो के विरोध में जयपुर के विभिन्न श्रम संगठनों ने संयुक्त रूप से एक विशाल रैली का आयोजन किया जो एचएमएस रेलवे कार्यालय से तैयार होकर श्रम आयुक्त कार्यालय हसनपुरा तक काफी विशाल संख्या में मजदूर किसानों के साथ संपन्न हुई । रैली का नेतृत्व कामरेड डी.के.छंगाणी, कामरेड एम एल यादव, कामरेड कुणाल रावत, कामरेड मुकेश माथुर, कामरेड नरेंद्र आचार्य कॉमरेड कामरेड सुनीता चतुर्वेदी कामरेड निशा सिद्धू, कामरेड नईमुद्दीन आकिल, कामरेड विनोद कुमार ने सभी साथियों के साथ किया । देशभर में मजदूरों, कर्मचारियों, युवाओं एवं आम जनता के अधिकारों की रक्षा हेतु केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर आयोजित राष्ट्रव्यापी आम हड़ताल के तहत गुरुवार को जयपुर में विभिन्न संगठनों द्वारा रैली निकाली और जिलाधीश को ज्ञापन सौंपा गया। ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस (AITUC) के नेतृत्व में दिए गए इस ज्ञापन में केंद्र सरकार द्वारा लागू वेतन संहिता 2019, औद्योगिक संबंध संहिता 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020 तथा व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य स्थिति संहिता 2020 को मजदूर विरोधी बताते हुए इन्हें वापस लेने की मांग की गई। ज्ञापन में कहा गया कि इन नई श्रम संहिताओं से श्रमिकों की नौकरी की सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा तथा ट्रेड यूनियन अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। साथ ही सार्वजनिक क्षेत्र के निजीकरण, ठेका प्रथा को बढ़ावा देने तथा रोजगार के अवसरों में कमी को मजदूर वर्ग के हितों के खिलाफ बताया गया।

ज्ञापन के माध्यम से निम्न प्रमुख मांगें रखी गई—

* चारों श्रम संहिताओं को वापस लेकर पूर्व के श्रम कानूनों को पुनः लागू किया जाए।
* सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों का निजीकरण एवं विनिवेश बंद किया जाए।
* ठेका प्रथा एवं आउटसोर्सिंग पर नियंत्रण कर स्थायी रोजगार सुनिश्चित किया जाए।
* न्यूनतम मजदूरी रु. 26,000 प्रति माह निर्धारित की जाए।
* सभी मजदूरों को सामाजिक सुरक्षा, पेंशन एवं ईएसआई सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं।
* बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया जाए।
* महंगाई पर नियंत्रण कर आवश्यक वस्तुओं के दाम कम किए जाएं।

इस अवसर पर ज्ञापन सौंपने वालों में कामरेड रमेश शर्मा, कामरेड कुणाल रावत कामरेड डी के छंगाणी, कामरेड नईमुद्दीन आकिल कामरेड विनोद कुमार, अब्दुल कलाम खान, कामरेड मुदब्बीर खान, सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल रहे।

मुस्लिम समाज बौंली के अध्यक्ष बने मिर्जा जफर अहमद आमीन, सर्वसम्मति से निर्विरोध चयन

सवाई माधोपुर/बौंली, (रॉयल पत्रिका)। कस्बा बौंली में मदरसा नुरुल इस्लाम, जामा मस्जिद के सामने मुस्लिम समाज की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में समाज के गणमान्य लोगों एवं बड़ी संख्या में सदस्यों ने भाग लिया। बैठक के दौरान सर्वसम्मति से मिर्जा जफर अहमद आमीन (निवासी बौंली) को मुस्लिम समाज बौंली का अध्यक्ष निर्विरोध चुना गया। उनके नाम का प्रस्ताव रखा गया, जिसका उपस्थित सभी सदस्यों ने समर्थन किया। किसी अन्य नाम का प्रस्ताव नहीं आने पर उन्हें सर्वसम्मति से अध्यक्ष घोषित किया गया। इस अवसर पर नवनिर्वाचित अध्यक्ष मिर्जा जफर अहमद आमीन ने समाज के सभी लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे समाज की एकता, शिक्षा, सामाजिक सुधार और आपसी भाईचारे को मजबूत करने के लिए पूर्ण निष्ठा से कार्य करेंगे। बैठक का समापन समाज की उन्नति और आपसी सहयोग के संकल्प के साथ किया गया। उपस्थित लोगों ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष को बधाई देते हुए उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं।

दी प्राइम रोज़ पब्लिक स्कूल ने वार्षिक समारोह मनाया

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । जयपुर के पेंटर कॉलोनी, नाहरी का नाका स्थित दी प्राइम रोज़ पब्लिक स्कूल ने अपना वार्षिक समारोह 9 फरवरी सोमवार को शास्त्री नगर के साइंस पार्क में बड़े धूमधाम से मनाया । स्कूल के प्रिंसिपल वकील अहमद ने बताया कि स्कूल के वार्षिक समारोह में बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया गया । स्कूल के समारोह की सभी आए अतिथियों ने सराहा गया ।

मोहम्मद शाहिद मन्नू पठान दी पब्लिक कैरियर ट्रक ऑनर्स संस्थान बारां के निर्विरोध जनरल सेकेट्री निर्वाचित

बारां (रॉयल पत्रिका) । दी पब्लिक कैरियर ट्रक ऑनर्स संस्थान बारां के आगामी 17 फरवरी 2026 को होने वाले चुनाव को लेकर फार्म जमा करवाने की आखिरी तारीख 15 फरवरी थी। इस दौरान सभी पदों को लेकर एक से ज्यादा नामांकन दाखिल हुए हैं। लेकिन संस्थान के जनरल सेकेट्री के पद पर सिर्फ एक ही आवेदन वर्तमान यूनियन के जनरल सेकेट्री मोहम्मद शाहिद मन्नू पठान का प्राप्त होने ओर सामने किसी भी प्रत्याशी के नहीं आने पर चुनाव अधिकारी अनवर अली पीटीआई, राजेश कुमार पिपलानी (प्रेम), प्रदीप नागर, राय बहादुर सिंह, फारूक अहमद ओर अब्दुल मजीद ने 15 फरवरी रविवार को ही मन्नू पठान को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। मन्नू पठान लगातार छठी बार जनरल सेकेट्री निर्वाचित हुए हैं। यूनियन में चर्चा का विषय रहा कि लंबे समय बाद कोई निर्विरोध निर्वाचित हुआ है। उनके निर्विरोध जनरल सेकेट्री निर्वाचित होने पर यूनियन के पदाधिकारियों द्वारा माला पहनाकर साफाबंदी करके मुंह मीठा करवाकर उनका जोरदार स्वागत सत्कार किया गया। इस दौरान श्याम जी बंसल, अकील पठान, सन्नी अदलक्खा, फिरोज खान, ध्रुव कुमार यादव, विष्णु मीणा, रामशरण पंजाबी, गोविंद रेबारी, रमेश किराड़, साजिद खान लजीज, राजू खान बर्तन वाले, पार्षद मोहम्मद जाकिर खान, अलीम पठान, सलीम पठान, रिंकू सूरमा सहित बारां के व्यापारीगण व ट्रक यूनियन के सभी सदस्य मौजूद रहे।

एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स(APCR) की बैठक आयोजित

बारां (रॉयल पत्रिका) । एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स (APCR) की एक बैठक बारां में 14 फ़रवरी शनिवार को कौसर कॉलोनी स्थित एक निजी संस्थान में संगठनात्मक़-मीटिंग आयोजित की गई। जिसमें APCR राजस्थान इकाई के प्रदेश महासचिव मुज़म्मिल इस्लाम रिज़वी और संभाग कॉर्डिनेटर मोहम्मद आबिद ख़ान की मौजूदगी में समाज़ के मानवाधिकार ओर सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ नागरिकों के मानवाधिकारों, समाज़ के हाशिए पर पड़े वंचित-वर्गों को क़ानूनी-सहायता और क़ानूनी-साक्षरता प्रदान करतें हुए एक बैठक आयोजित की गई। साथ हीं संगठन की मजबूती समाज में नागरिक अधिकारों की जागरूकता और आगामी कार्यकारिणी पर चर्चा की गई। इस दौरान अंजुमन इत्तेहाद-ए-बाहमी के सदर आबिद हुसैन अंसारी, अधिवक्ता फिरोज खान, मौलाना अख्तर नदवी, हैदर अली अंसारी, हाजी अब्दुल हसीब, मास्टर अय्यूब अली, मास्टर आबिद अली, मास्टर शहाबुद्दीन, एडवोकेट आरिफ खान, जियाउर्रहमान, मोईन आजाद, समीर अंसारी, यूसुफ राज, ईमाम शब्बीर अहमद, अब्दुल शकूर कारपेंटर, आरिफ काजी सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता ओर गणमान्य लोग मौजूद रहे।

अंसारी वेलफेयर सोसाइटी कोटा द्वारा हज गाइड और रमज़ान बुकलेट का विमोचन

कोटा (रॉयल पत्रिका) । अंसारी वेलफेयर सोसाइटी कोटा की ओर से शहर के एक निजी संस्थान में 14 फरवरी 2026 शनिवार को एक प्रोग्राम आयोजित किया गया जिसमें रिज़वानुद्दीन अंसारी द्वारा सम्पादित हज गाइड और रमज़ान बुकलेट संस्करण 2026 का विमोचन किया गया। हज गाइड का वितरण कोटा , बूंदी, झालावाड़, बारां तथा अन्य ज़िलों में राज्य सरकार द्वारा आयोजित टीकाकरण शिविर में किया गया। सोसाइटी के अध्यक्ष इंजीनियर सिराज अहमद अंसारी के अनुसार प्रोग्राम के मुख्य अतिथि पूर्व डीजीपी छत्तीसगढ़ एम डब्ल्यू अंसारी रहे। पूर्व डीजीपी एम डब्ल्यू अंसारी ने अपने सम्बोधन में शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला साथ ही स्किल डेवलपमेंट और महिला सशक्तिकरण पर भी अपने विचार व्यक्त किए। प्रोग्राम में सोसाइटी के ट्रेज़रर अब्दुल मजीद अंसारी, वाई जी एन एजूकेशन ग्रुप के चेयरमैन अरशद अंसारी, मुख्तार अंसारी, मेहमूद अली, इंजीनियर शाहिद, पार्षद साहिब हुसैन, इकराम हुसैन, अब्दुल हकीम, डॉ. रियाज़, इंजीनियर अब्दुल गनी, ज़ाकिर एडवोकेट, मोहम्मद हुसैन, तोसीफ हुसैन, अहमद रज़ा, मुस्तमिर सलीम अब्बासी और शाहनवाज़ आदि भी उपस्थित रहे। मीटिंग का संचालन अब्दुल मजीद अंसारी ने किया।

तमाम हाजी साहिबान अल्लाह के घर के मेहमान - हाजी मोहम्मद अशफाक

-बारां में हाजियों का टीकाकरण एवं प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न

बारां (रॉयल पत्रिका) । हज 2026 के मुकद्दस सफर पर जाने वाले हाजियों का तरबीयती व टीकाकरण शिविर 15 फरवरी 2026 रविवार को बाबा फूल पीर साहब स्थित जमात खाने में आयोजित हुआ। प्रोग्राम में राजस्थान स्टेट हज कमेटी के पूर्व सदस्य हाजी मोहम्मद अशफाक, वरिष्ठ समाजसेवी हाजी सलीम भाई बीड़ी वाले, पूर्व जिला संयोजक हाजी लियाकत अली मेव, हज खिदमतगार लईक अहमद अंसारी, आरज़ू अंसारी, हाजी इकबाल हुसैन अंसारी, खैरून्निसा एजुकेशनल एंड वेल्फेयर सोसायटी के अध्यक्ष हाजी वकार अहमद अंसारी, अखलाक अंसारी मांगरोल ओर डॉक्टर फातिमा अंसारी ने अपनी बेहतरीन खिदमत अंजाम दी। मेडिकल टीम द्वारा आरसीएचओ डॉक्टर जगदीश कुशवाह के नेतृत्व में डॉक्टर शामिख अंसारी, डॉक्टर अशत इज़ान, डॉक्टर आसिम भारती, नर्सिंग ऑफिसर शमां बी, रईस अहमद, शाहिद खान, हसीना बानो, एएनएम रेहाना बानो, नीलोफर बानो, डी ई ओ साबिर हुसैन व मोहम्मद इकबाल ने बारां जिले से हज पर जाने वाले 71 हाजियों का वेक्सिनेशन, टीकाकरण किया तथा सभी हाजियों को पोलियो की दवा भी पिलाई गई ओर कागजी कार्यवाही पूरी की गई। टीकाकरण एवं प्रशिक्षण केम्प में वक्फ कमेटी बारां के चेयरमैन इफरान अंसारी, अब्दुल अजीज अंसारी, अब्दुल रशीद पठान, वरिष्ठ नेता जाकिर मंसूरी, एडवोकेट असलम भारती, डॉ. मुश्ताक अहमद अंसारी, अशरफ देशवाली, पूर्व अल्पसंख्यक कांग्रेस जिलाध्यक्ष शाहिद कुंडी, अब्दुल शकूर चिश्ती, समाजसेवी शेख बहादुर, वक्फ सेकेट्री रईस अहमद, हक्का भाई, पूर्व ईदगाह सदर सद्दाम हुसैन अंसारी, नासिर मिर्ज़ा, शोएब अख्तर, ताहिर अंसारी, वसीम अंसारी ने हज पर जाने वाले हाजियों को माला पहनाकर मुबारकबाद दी। शिविर के दौरान हज ट्रेनर हाजी सरफराज अहमद, अब्दुल शाकिर, मौलाना वसीम अख्तर, मुफ्ती नजीब, हाफिज कुरैश ने अहराम बांधने का तरीका व हज के तमाम अरकान तफसील से समझाए। इस दौरान हाजियों को हज गाईड व मार्ग दर्शिका देकर फूल मालाओं से स्वागत् कर सभी को मुबारकबाद पेश की। वक्फ कमेटी चेयरमैन इरफान द्वारा हाजियों को बैग तकसीम किए गए। प्रोग्राम में अब्दुल अजीज अंसारी ओर अब्दुल रशीद पठान का भी विशेष ताऊन रहा। प्रोग्राम के आखिर में राजस्थान स्टेट हज कमेटी के पूर्व सदस्य हाजी मोहम्मद अशफाक ने सभी को मुबारकबाद देकर शुक्रिया अदा किया।

न्याय की स्थापना के लिए संघर्षरत रहें कार्यकर्ता - वक़ार अहमद

-वेलफ़ेयर पार्टी का कार्यकर्ता समागम संपन्न

कोटा (रॉयल पत्रिका)। वेलफेयर पार्टी ऑफ़ इंडिया का कार्यकर्ता सम्मेलन 15 फरवरी 2026 रविवार को पार्टी कार्यालय में आयोजित किया गया। इस अवसर पर जयपुर से प्रदेश अध्यक्ष वक़ार अहमद ख़ान और जोधपुर से प्रदेश संगठन सचिव अरशद अली ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। प्रदेश अध्यक्ष ने अपने संबोधन में कार्यकर्ताओं को न्याय की स्थापना के लिए संघर्ष करने का आव्हान किया। उन्होंने पार्टी सदस्यों से जनहित से जुड़े हुए मुद्दों को उठाने के निर्देश दिए। संगठन सचिव अरशद अली ने आगामी निगम चुनावों में कार्यकर्ताओं को जुट जाने हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष सैफुल्लाह ख़ान, जिला अध्यक्ष अनवर कुरैशी बबलू, उपाध्यक्ष आसिफ़ हुसैन, संगठन सचिव जावेद अख़्तर अंसारी, उपाध्यक्ष मोहम्मद इरफ़ान, निवर्तमान पार्षद मोहम्मद आसिम, मीडिया प्रभारी मुहम्मद खालिद आदि ने संबोधित किया। कार्यकर्ता सम्मेलन में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भवानीमण्डी में समाजसेवियों ने उपखंड अधिकारी कार्यालय में सहायक अधिकारी विनीत जैन को ज्ञापन दिया

फिरोज खान वारसी

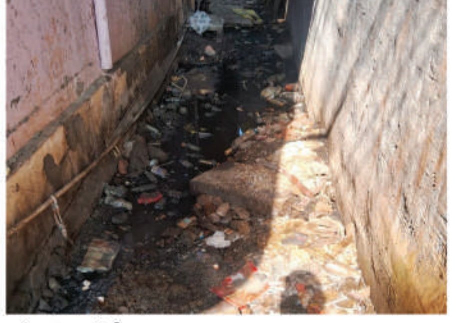

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। भवानीमण्डी में 13 फरवरी 2026 को समाजसेवी गणेश सालेचा व शीतल जैन ने उपखंड अधिकारी कार्यालय में सहायक अधिकारी विनीत ज़ेन व प्रशासक को ज्ञापन दिया। उन्होंने पचपहाड़ रोड़ पर गली निर्माण और मूत्रालय बनाने की मांग की। गली में गंदगी और बदबू से लोग परेशान हैं। बारां दुकान चौराहा जैन श्वेतांबर मंदिर से लगी हुई गली है। श्रद्धालु व स्थानीय दुकानदार और आमजनों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोग व गणेश सालेचा ने ज्ञापन में बताया कि गली में निर्माण कार्य हेतु मूत्रालय बनाने की मांग की है।

मरहूम हाजी मोहम्मद अली की स्मृति में आयोजित शूटिंग बॉलीबॉल संभाग स्तरीय प्रतियोगिता का उद्घाटन समारोह झालावाड़ में हुआ

फिरोज खान वारसी

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। रोमांचक मुकाबलों ने दर्शकों का मन मोहा, पूर्व शारीरिक शिक्षक मरहूम हाजी मोहम्मद अली की स्मृति में 15 फरवरी 2026 को आयोजित शूटिंग बॉलीबॉल संभाग स्तरीय प्रतियोगिता का उद्घाटन समारोह खेल संकुल झालावाड़ में हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक निर्मल कुमार सकलेचा ने कहा कि इस तरह के खेलो के आयोजन से प्रतिभाओं को उभरने का मौका मिलता है, स्व. मोहम्मद अली ख़ुद एक राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी रहे है। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व सभापति मनीष शुक्ला ने कहा की खेल को हमेशा खेल की भावना से खेले, जीत और हार दोनों से हमे सीख लेनी चाहिये। पूर्व ब्लॉक काँग्रेस अध्यक्ष फरीद चौधरी ने कहा कि खेलों से व्यक्ति का शारीरिक के साथ मानसिक विकास भी होता है, सभी को निरोगी रहने के लिए खेल से हमेशा जुड़े रहना चाहिये। मरहूम मोहम्मद अली के पुत्र आयोजक एडवोकेट हैदर अली ने सभी अतिथियों का स्वागत कर पिताजी की खेल से जुड़ी स्मृतियों को ताजा किया। शूटिंग बॉल खिलाड़ी प्रवीण जांगिड और अब्दुल सलाम ने बताया कि प्रतियोगिता में टूर्नामेंट में कोटा, देवली, मंदसौर, मनोहरथाना, पचपहाड़, सुकेत, भवानीमंडी, हेमडा, ढाबला खिची, चछलाव सहित 16 टीमों ने भाग लिया। पहले मुकाबले में पचपहाड़ ने कोटा को 21-14 से शिकस्त दी वही अगले मुक़ाबले में नारायणी क्लब झालावाड़ और हेमडा के मध्य में झालावाड़ 21-11 से विजय रही। कार्यक्रम में पूर्व खिलाड़ियों गोपीरमन पाटीदार, रमन नामदेव, मजीद अहमद, शब्बीर बोहरा, मांगीलाल लोधा, राधेश्याम नागर, अख्तर भाई का सम्मान किया गया।

सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया के कार्यवाहक राष्ट्रीय अध्यक्ष का बारां पहुँचने पर भव्य स्वागत

बारां (रॉयल पत्रिका)। सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) के कार्यवाहक राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के पश्चात प्रथम बार बारां आगमन पर मोहम्मद शफी का अंजुमन चौराहे पर जिलाध्यक्ष अब्दुल अजीज अज्जू के नेतृत्व में जिला कमेटी बारां के कार्यकर्ताओ ने गर्मजोशी के साथ माला पहनाकर, आतिशबाजी करके स्वागत किया। इसके बाद सभी जुलूस के रूप में दरगाह बाबा पठान साहब पर पहुँचे, जहां पर मोहम्मद शफी ने सोशल डेमोकेर्टिक पार्टी ऑफ़ इण्डिया के कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि आने वाले नगर परिषद चुनाव में जी जान से लग जाए। इसी दौरान वार्डो में नाम फ़ाइनल किये जिसमे इस बार पार्टी ने 24 वार्डो में चुनाव लड़ने का फैसला किया, इस बार पहले से ज्यादा वार्डो पर एसडीपीआई अपने मेंबर्स को उतरने का फैसला किया गया है। प्रोग्राम में राजस्थान प्रदेश महासचिव नदीम अख्तर, प्रदेश कोषाध्यक्ष जाकिर रंगरेज, बारां जिला प्रभारी मोहम्मद जावेद, प्रदेश कमेटी मेंबर्स इफ्तिखार अहमद बबलू, बारां जिलाध्यक्ष अब्दुल अजीज अज्जू भाई, जनरल सेकेट्री अलीम मंसूरी, सेकेट्री मौलाना सलमान, हाजी अशफाक, इरशाद अंसारी, हाजी वहीद, हमीद अली, पार्षद असलम अंसारी, सलामत अंसारी, शेर अली, वसीम शैख, समीर मिर्जा, नदीम, अतीक, मंसूर, अशफाक पठान, शाहिद, इमरान, साबिर शैख, मुजफ्फर, रिंकू मंसूरी, इमदाद, शाकिर रंगरेज, जावेद, हाजी सलीम, इमरान शैख सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे। अंत मे जनरल सेकेट्री अलीम मंसूरी ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

विद्यालय में मनाया मातृ पितृ पूजन दिवस, बच्चों ने लिखी वोट पाती माता-पिता के नाम

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका) । राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देश पर जिला निर्वाचन अधिकारी कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर एवं सीईओ व नोडल अधिकारी स्वीप राजवीर सिंह चौधरी के मार्गदर्शन में जिले के समस्त राजकीय एवं निजी विद्यालयों में बच्चों को भारतीय सांस्कृतिक मूल्य एवं संस्कार देने तथा माता-पिता और अभिभावकों को मतदान के संवैधानिक अधिकार के महत्व के प्रति जागरूक करने एवं उन्हें नैतिक मतदान के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से मातृ पितृ पूजन दिवस का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने पूजन के बाद माता-पिता को हस्तलिखित वोट पाती देकर मतदान करने के लिए प्रेरित किया।

मतदान का लिया संकल्प:

मां पिता को दी गई हस्त लिखित वोट पाती

शहर के महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय एवं स्वामी विवेकानंद विद्या निकेतन में आयोजित मातृ पितृ पूजन दिवस समारोह के दौरान स्वीप सह प्रभारी अमित भार्गव ने सभी उपस्थित जन को मतदान का संकल्प कराया और उपस्थित जन से हर चुनाव पर्व में उत्साह से मतदान करने की अपील की। इस दौरान भार्गव ने माता-पिता की महिमा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे संतान के पहले गुरु और संरक्षक होते हैं। साथ ही निर्वाचन के ऑनलाइन एप्लीकेशंस की जानकारी दी। वहीं नव मतदाताओं को अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वाने के लिए घर बैठे ईसीआई नेट एप द्वारा ऑनलाइन प्रक्रिया से करने की जानकारी दी गई। साथ ही सीविजील ऐप द्वारा आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने की शिकायत पर 100 मिनट के अंदर समाधान प्राप्त करने के बारे में बताया एवं केवाईसी ऐप द्वारा अपने क्षेत्र से चुनाव उम्मीदवारों की जानकारी प्राप्त करने के बारे में समझाया गया। सक्षम ऐप द्वारा दिव्यांगजन को मतदान दिवस पर उपलब्ध होने वाली सुविधाओं से अवगत कराया तथा 85 प्लस आयु वर्ग के मतदाताओं के लिए होम वोटिंग की सुविधा के बारे में बताया गया। निर्वाचन विभाग के निर्देशानुसार कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने मां एवं पिता के लिए वोट पाती लिखी, जिसमें निर्वाचन विभाग की डिजिटल सुविधाओं के उपयोग का वर्णन किया गया तथा माता पिता को भेंट कर मतदान करने को कहा।

वैदिक मंत्रोच्चार के साथ किया मातृ-पितृ पूजन

कार्यक्रम में बच्चों ने अपने माता-पिता का वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजन किया। चरण धोए, माता-पिता की आरती की। माता पिता ने बच्चों को हृदय से लगाकर आशीर्वाद दिया। पूजन के सामूहिक दृश्य से सभी आनंदित थे। इस दौरान संस्थान के सचिव राजेंद्र शर्मा ने कहा कि सभी मतदाता हर चुनाव में सपरिवार उत्सव की तरह शामिल होकर अपने मतदान का कर्तव्य निभाएं। कार्यक्रम को दीनदयाल मीणा, व्याख्याता आलोक दाधीच ने भी संबोधित किया।

विद्यार्थियों ने दी सांस्कृतिक प्रस्तुति

कार्यक्रम में बच्चों द्वारा भारतीय संस्कृति पर आधारित शानदार कार्यक्रम पेश किया। साथ ही नहीं बटा है, नहीं बटेगा मम्मी डैडी का प्यार जैसे गीतों पर मनमोहन सामूहिक नृत्य की प्रस्तुति की गई। प्रधानाचार्य दीनदयाल नागर ने विद्यार्थियों से निर्वाचन के ऑनलाइन एप्लीकेशंस का उपयोग करने एवं अपने परिचित जन का इन ऐप के माध्यम से सहयोग करने की बात कही। इस दौरान बड़ी संख्या में अभिभावकगण, ईएलसी प्रभारी महावीर गौतम, बीएलओ जगदीश कुमार सहित विद्यालय स्टाफ एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

अब किसानों को दिन में मिल रही बिजली, रात में ठिठुरते हुए नहीं जाना पड़ता खेत में

डॉ. तोहिद

कनवास (रॉयल पत्रिका)। नगर में शनिवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला एवं ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने विभिन्न विकास कार्यों की सौगात दी। महात्मा गांधी स्टेडियम खेल मैदान में 37.28 करोड रुपए से अधिक की राशि से होने वाले पांच विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। अध्यक्ष सत्यवान नागर, संयोजक कौशल सोनी ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, विशिष्ट अतिथि भाजपा देहात जिला अध्यक्ष प्रेम गोचर, जिला प्रमुख मुकेश मेघवाल, प्रधान जयवीर सिंह, सुल्तानपुर प्रधान कृष्णा शर्मा रहे, जबकि अध्यक्षता क्षेत्रीय ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने की। कार्यक्रम से पूर्व मुख्य अतिथि लोकसभा अध्यक्ष बिरला व ऊर्जा मंत्री नागर का 51 किलो का फूलो का हार पहनाकर तथा अतिथियों का माला, दुपट्टा व गुलदस्ता भेंटकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में कनवास में 18.10 करोड़ की लागत से बने 132 केवी जीएसएस का लोकार्पण और 9 करोड़ रुपए की लागत से क़नवास में प्रस्तावित पॉलिटेक्निक कॉलेज भवन के निर्माण कार्य का शिलान्यास कियया गया। इसके अलावा धुलेट में 5.11 करोड़ तथा खजूरना में 4.92 करोड रुपए पावर ग्रिड के अंतर्गत मीर योजना से सामुदायिक दर का 15 किया। कार्यक्रम को संबोधित करते लोकसभा अध्यक्ष ने राजस्थान की हर घर तक पहुंचाने के लिय प्रतिबद्ध है। ऊर्जा मंत्री प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि वर्तमान में किसानों को दिन में निर्वाध बिजली जा रही है। साथ ही आने में क्षेत्र के प्रत्येक अमिति पहुंचेगा। स्पीकर ने कहा कि तक पेय जल और देत सिचाई पानी पहुंचने के लिए योजना तैयार है। आने आलनिया बांध से सिंचाई के लिए किसानों को पानी मिलेगा। हरिश्चंद्र सागर बांध और आलनिया बांध से पूरे क्षेत्र समृद्ध हो जाएगा।

रामगंज मंडी में सुकेत रोड पर स्ट्रीट लाइट का लोकर्पण समारोह हुआ

डॉ. तोहिद

रामगंजमंडी/सुकेत (रॉयल पत्रिका)। शहर में सुकेत रोड 68.50 लाख से लगी लाइटों से रोशन हो गया है। इन लाइटों का उद्घाटन किया गया। इसके लिए शाम के समय सुकेत रोड पर मरियम अस्पताल के समीप जिलाध्यक्ष प्रेम गोचर की अध्यक्षता में कार्यक्रम हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर रहे। उन्होंने उद्घाटन के बाद रिमोट से लाइटें चालू की है। इसके बाद अतिथियों का कार्यकर्ताओं की ओर से स्वागत किया गया। पूर्व पालिका अध्यक्ष अखिलेश मेड़तवाल ने बताया कि सुकेत रोड पर 68 लाख 50 हजार की लागत से करीब 90 पोल लगाकर लाइटें लगाई गई है। जिससे कि रात के समय सड़क पर रोशनी बनी रहे। संचालन पूर्व देहात जिला महामंत्री नरेंद्र राजा ने किया। रूपचंद जैन, मंडल अध्यक्ष शैलेश, कोटा स्टोन एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष प्रहलाद बैंसला समेत अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं के साथ लोकसभा स्पीकर के निजी सहायक जीवन धर् जैन भी शामिल हुए।

साइबर अपराध के प्रति किया जागरूक

पाली । राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देशानुसार सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (अपर जिला न्यायाधीश) विक्रम सिंह भाटी के मार्गदर्शन में अधिकार मित्र मांगीलाल तंवर द्वारा जी.एन.एम. प्रशिक्षण केन्द्र, बांगड़ अस्पताल, पाली में साइबर अपराध जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। शिविर में अधिकार मित्र ने बताया कि साइबर अपराध से बचाव का सबसे प्रभावी तरीका सतर्कता है। उन्होंने अज्ञात लिंक पर क्लिक न करने, डिजिटल धोखाधड़ी की स्थिति में तुरंत साइबर क्राइम पोर्टल या हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराने तथा राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 पर तत्काल संपर्क करने की सलाह दी। साथ ही डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया।

3-3 एक्सपर्ट्स ने भारत फोर्ज लिमिटेड के स्टॉक के टारगेट प्राइस को बढ़ाया

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में भारी गिरावट देखने को मिली थी। लेकिन उसके बाद भी भारत फोर्ज लिमिटेड के शेयर 52 वीक हाई पर पहुंच गया था। ऑटो पार्ट्स कंपनी के शेयरों में शुक्रवार को लगातार 5वें दिन उछाल दर्ज की गई थी। बता दें, शुक्रवार को भारत फोर्ज के शेयर बीएसई में 1749 रुपये के लेवल पर पहुंच गया था। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव 1784.70 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गया था। यह कंपनी का नया 52 वीक हाई है। कई ब्रोकरेज हाउस ने इस स्टॉक के टारगेट प्राइस में इजाफा किया है। भारत फोर्ज का नेट प्रॉफिट दिसंबर तिमाही में 288 करोड़ रुपये रहा था। जोकि सालाना आधार पर कंपनी के प्रॉफिट में 17 प्रतिशत की गिरावट आई है। एक साल पहले इसी तिमाही में भारत फोर्जका प्रॉफिट 346 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी का रेवन्यू (ऑपरेशंस) 2983.70 करोड़ रुपये रहा था। एक साल पहले कंपनी का रेवन्यू 2096 करोड़ रुपये रहा था। भारत फोर्ज ने डिविडेंड का भी ऐलान तिमाही नतीजों के साथ किया है। कंपनी ने 2 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर पर 2 रुपये का डिविडेंड देने का फैसला किया है। इस अंतरिम डिविडेंड के लिए कंपनी ने 18 फरवरी 2026 की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। नोमुरा ने भारत फोर्ज का टारगेट प्राइस 1727 रुपये से बढ़ाकर 1844 रुपये कर दिया है। ब्रोकरेज हाउस की तरफ से की गई यह बढ़ोतरी कंपनी के डिफेंस रेवन्यू में हुए 102 प्रतिशत इजाफे को माना जा रहा है। मोतीलाल ओसवाल ने भी भारत फोर्ज का टारगेट प्राइस बढ़ाया है। इस ब्रोकरेज हाउस ने 1342 रुपये से टारगेट प्राइस बढ़ाकर 1597 रुपये कर दिया है। बता दें, इस कंपनी दिसंबर तिमाही में 2388 करोड़ रुपये के नए ऑर्डर मिले थे। 31 दिसंबर 2025 तक के डाटा के अनुसार कंपनी के पास 11130 करोड़ रुपये के डिफेंस ऑर्डर थे। पिछले एक साल में भारत फोर्ज के शेयरों की कीमतों में 61 प्रतिशत की तेजी आई है। इस दौरान सेंसेक्स इंडेक्स में 8.52 प्रतिशत की उछाल दर्ज की गई है। बता दें, 5 साल में यह स्टॉक 172 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

1 साल में 74 प्रतिशत चढ़ा स्टॉक, डॉली खन्ना का कंपनी में 1.13 प्रतिशत हिस्सा

नई दिल्ली, एजेंसी। डॉली खन्ना के निवेश वाली कंपनी आईएफबी एग्रो इंडस्ट्रीज के शेयरों की कीमतों में लॉन्ग टर्म में मोटा रिटर्न दिया है। शुक्रवार को यह स्टॉक बीएसई में 0.60 प्रतिशत की तेजी के साथ 912.15 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। बता दें, डॉली खन्ना ने इस कंपनी में दिसंबर तिमाही के दौरान पहली बार निवेश किया है। आईएफबी एग्रो इंडस्ट्रीज ने दी जानकारी में बताया है कि दिसंबर तिमाही के दौरान कुल सेल्स 341.73 करोड़ रुपये रहा है। जोकि सालाना आधार पर 15.85 प्रतिशत बढ़ा है। एक साल पहले इसी तिमाही मेंआईएफबी एग्रो इंडस्ट्रीज का नेट सेल्स 294.97 करोड़ रुपये रहा था। बता दें, दिसंबर तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 7.30 करोड़ रुपये रहा। प्रॉफिट में मोर्चे पर निवेशकों को झटका लगा है। दिसंबर 2024 के दौरान कंपनी का नेट प्रॉफिट 11.28 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी की दिसंबर शेयरहोल्डिंग के अनुसार डॉली खन्ना की कंपनी में कुल हिस्सेदारी 1.13 प्रतिशत के बराबर है। 10 फरवरी 2026 के रेट पर उनकी हिस्सेदारी की कुल वैल्यूएशन 10 करोड़ रुपये रहा था। दिसंबर तिमाही के शेयरहोल्डिंग के अनुसार कंपनी में प्रमोटर की हिस्सेदारी 65 प्रतिशत है। वहीं, पब्लिक के पास 35 प्रतिशत हिस्सा है। आईएफबी एग्रो इंडस्ट्रीज के शेयरों की कीमतों में बीते 6 महीने के दौरान 14.95 प्रतिशत की तेजी आई है। वहीं, एक साल में यह स्टॉक 74.62 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। कंपनी का बीएसई में 52 वीक हाई 1795 रुपये और 52 वीक लो लेवल 436.95 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 854.42 करोड़ रुपये का है। तीन साल में आईएफबी एग्रो इंडस्ट्रीज के शएयरों की कीमतों में 87 प्रतिशत की तेजी आई है। वहीं, 5 साल में यह स्टॉक 107 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। बता दें, बीएसई के डाटा के अनुसार कंपनी ने एक बार भी अभी तक डिविडेंड या बोनस शेयर नहीं दिया है।

भारतीय पर्यटकों पर दुनिया की नजर डेस्टिनेशन वेडिंग से एडवेंचर टूरिज्म तक बना रहे रणनीति

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत वैश्विक पर्यटन के लिए भविष्य के ग्रोथ इंजन के तौर पर उभर रहा है। सरकारी आंकड़ों से पता चलता है कि भारतीय पर्यटकों ने विदेशी यात्राओं में अब तक 3.17 अरब डॉलर खर्च किए हैं। यह देखते हुए कि केवल 92 मिलियन भारतीयों के पास पासपोर्ट है और भारत अभी भी पूरे साउट ईस्ट एशिया से अधिक आउटबाउंड यात्रा करता है। इससे यह दुनिया में विशेषकर एशियाई देशों के लिए एक आवश्यक बाजार बन गया है।

भारतीय पर्यटकों को अन्य देश कैसे कर रहे हैं आकर्षितः अनुमान है कि 2040 तक भारतीय ट्रैवलर्स हर साल 80 से 90 मिलियन ट्रिप करेंगे, जिससे भारत आउटबाउंड ट्रैवल के लिए सबसे बड़ा सोर्स मार्केट बन जाएगा। इस बाजार का लाभ उठाने के लिए मलेशिया, श्रीलंका, सिंगापुर व अन्य एशियाई देश भारतीय पर्यटकों को आकर्षित कर रहे हैं। इसमें स्पोर्ट और एडवेंचर टूरिजम के साथ डेस्टिनेंशन वेडिंग, बॉलीवुड और टॉलीवुड फिल्मों की शूटिंग के साथ फ्लाइंन और क्रूज पर्यटनों के लिए इकोसिस्टम तैयार कर रहे हैं।

भारतीयों के डेस्टिनेशन वेडिंग पर एशियाई देशों की नजरः विदेशी स्तर पर पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने के लिए मुंबई वन वर्ल्ड ट्रैवल मार्केट (ओटिएम) सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें 60 देशों ने हिस्सा लिया। मलेशिया पर्यटन विभाग के चैयरमैन मनोहरन पेरियासामी ने बताया कि वर्मतान समय में भारत हमारे लिए एक आवश्यक पर्यटन बाजार है और हम इस बाजार में अपनी स्थिति को और मजबूत बनाने पर जोर दे रहे हैं। हम भारतीय पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए नए पर्यटन स्थानों, स्पोर्ट और एडवेंचर टूरिजम के साथ

डेस्टिनेंशन वेडिंग के लिए विशेष ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। क्योंकि भारतीय शादियां लगभग पांच दिन लंबी होती हैं और उनमें अधिक पैसा खर्च होता है। इसके लिए हम मलेशिया में ऐसे सुंदर और नए स्थानों का विस्तार कर रहे हैं, जो डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए उपयुक्त हैं। हम एक इकोसिस्टम तैयार कर रहे हैं, जो भारतीयों की शादी ब्याह की आवश्कताओं को पूरा करता है। इसमें मलेशिया पर्यटन विभाग और श्रीलंका पर्यटन विभाग दोनों ही भारतीय शादियों को संभालने के लिए एक इकोसिस्टम तैयार कर रहे हैं। जिसमें डेस्टिनेश वेडिंग के लिए मोहक जगहों का विस्तार किया जा रहा तो दूसरी ओर भारतीय पर्यटकों के लिए शुद्ध शाकाहारी खानों के लिए केटरिंग सर्विस तक शामिल है।

2024 में, मलेशिया में एक मिलियन से अधिक भारतीय विजिटर्स पहुंचेः मनोहरन कहते हैं, कोविड-19 की महामारी के बाद भारतीय पर्यटकों की एशियाई देशों जैसे कि मलेशिया, सिंगापुर, मालद्वीप, श्रीलंका और बाली की यात्रा में वृद्धि हुई है। इससे पहले यूरोपीय देशों के पर्यटक सबसे अधिक एशियाई देशों की यात्रा करते थे, लेकिन अब भारतीय पर्यटकों की संख्या तेजी से बढ़ी है। 2024 में, मलेशिया में 1 मिलियन से अधिक भारतीय विजिटर्स पहुंचे, जो कोविड-19 की महामारी के बाद 47 प्रतिशत की बढ़ोतरी दिखाता है।

श्रीलंका पर्यटन विभाग रामायण से जुड़े हुए स्थानों का करेगा विस्तार

श्रीलंका पर्यटन विभाग के उप मंत्री प्रो. रुवान रणसिंघे ने कहा, हाल के आर्थिक संकट से उबर रहे श्रीलंका को पर्यटन क्षेत्र में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। भारत-श्रीलंका समझौते की तारीफ की। उन्होंने बताया कि श्रीलंका के पर्यटन बाजार में भारत का दबदबा है। जिससे हमें भारतीय जरूरतों को पूरा करने वाला टूरिज्म डेवलप करने में मदद मिलती है। प्रो. रुवान ने बताया कि श्रीलंका एक रामायण ट्रेल डेवलप कर रहा है, जिसमें खास तौर पर भारतीय पर्यटकों के लिए रामायण से जुड़ी 20 जगहें शामिल हैं। भारतीय पर्यटन मंत्रलाय के आंकड़ों से पता चलता है कि नवंबर 2025 तक, इस साल 4.43 लाख से अधिक भारतीय पर्यटक श्रीलंका में आ चुके हैं, जो कुल पर्यटक के आने का 22.5 प्रतिशत है। प्रो. रुवान ने कहा हम भारतीय फिल्मों की शूटिंग के लिए पॉलिसी को आसान बना रहे हैं। जिसमें बॉलीवुड, कॉलीवुड, टॉलीवुड अगर श्रीलंका में शूटिंग करना चाहते है तो हमारी सरकार ने फिल्मेकर्स के लिए 7 दिनों में अप्रूवल की प्रक्रिया को तेज कर दिया।

डिस्काउंट पर ट्रेड कर रहा टाटा का शेयर, प्राइस में उछाल पर ब्रोकरेज कॉन्फिडेंट

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा की कंपनी इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड के शेयर बिकवाली मोड में हैं लेकिन इसके फ्यूचर को लेकर एक्सपर्ट बुलिश नजर आ रहे हैं। बता दें कि हॉस्पिटैलिटी सेक्टर की दिग्गज कंपनी इंडियन होटल्स ने हाल ही में दिसंबर तिमाही के नतीजे जारी किए हैं। इस तिमाही में कंपनी को शानदार मुनाफा हुआ है। इंडियन होटल्स के शेयर की बात करें तो शुक्रवार को 1.59 प्रतिशत टूटकर 700.25 रुपये पर बंद हुए। शेयर अपने 52-वीक हाई 858 (25 मार्च 2025) से करीब 20 फीसदी डिस्काउंट पर ट्रेड कर रहा है। शेयर 626.65 रुपये के निचले स्तर तक गया है। यह 52 हफ्ते का लो भी है। ब्रोकरेज एक्सिस सिक्योरिटीज ने इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड पर 'खरीद' रेटिंग बरकरार रखते हुए टारगेट प्राइस 820 तय किया है। ब्रोकरेज का मानना है कि मांग-आपूर्ति का संतुलन कंपनी के पक्ष में है और नई बिजनेस यूनिट्स एफवाय27 तक कुल रेवेन्यू में 25 फीसदी योगदान दे सकती हैं। एक अन्य ब्रोकरेज मोतीलाल ओसवाल ने भी शेयर पर 'खरीद' रेटिंग बनाए रखा है। इसके साथ ही 900 का टारगेट दिया है। इंडियन होटल्स का तीसरी तिमाही में नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 50.2 फीसदी बढ़कर 954.2 करोड़ रहा, जबकि पिछले साल की समान तिमाही में यह 635.2 करोड़ था। कंपनी की ऑपरेशनल इनकम 12.2 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 2,842 करोड़ रही। एबिटा की बात करें तो इसमें भी 11.9 फीसदी का इजाफा हुआ और यह 1,076 करोड़ पहुंच गया। हालांकि एबिटा मार्जिन लगभग स्थिर रहा और 37.9 फीसदी पर बना रहा। इंडियन होटल्स के एमडी और सीईओ पुनीत छतवाल ने कहा कि लगातार 15वीं तिमाही में शानदार नतीजे रहे। होटल सेगमेंट में 2,579 करोड़ का रेवेन्यू और अब तक का सर्वश्रेष्ठ तिमाही एबिटा 1,050 करोड़ दर्ज किया गया। कंपनी ने एफवाय26 में अब तक 239 नए होटल साइन किए हैं और कुल पोर्टफोलियो 617 होटलों तक पहुंच गया है। ताज होटल्स की मूल कंपनी इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड अपनी एक्सेलरेट 2030 रणनीति के तहत निर्धारित लक्ष्यों को बढ़ाने पर विचार कर सकती है। 2024 में तैयार की गई इस रणनीति का उद्देश्य 2030 तक कंपनी के होटलों की संख्या को दोगुना करके 700 से अधिक करना और राजस्व को 15,000 करोड़ तक पहुंचाना है। इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी पुनीत छतवाल ने बिजनेस स्टैंडर्ड से बातचीत में बताया कि कंपनी का बिजनेस मॉडल विविध है और उसकी वित्तीय स्थिति मजबूत है। कंपनी पर कोई कर्ज नहीं है और नकदी प्रवाह पर्याप्त है।

एनवीडिया सीईओ का भारत दौरा रद्दः इंडिया एआई समिट में नहीं दिखेंगे जेनसन हुआंग

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की राजधानी में आयोजित होने वाले बहुप्रतीक्षित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट से ठीक पहले आयोजकों और तकनीकी जगत के लिए एक निराशाजनक खबर आई है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) चिप निर्माण में दुनिया की अग्रणी कंपनी एनवीडिया (एनवीडिया) के सीईओ जेनसन हुआंग ने अपना भारत दौरा रद्द कर दिया है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने शुक्रवार शाम को इस घटनाक्रम की पुष्टि की।

हुआंग का यह दौरा भारत के एआई ईकोसिस्टम के लिए काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा था, लेकिन अब कंपनी ने साफ किया है कि अपरिहार्य कारणों से वे इस शिखर सम्मेलन में व्यक्तिगत रूप से मौजूद नहीं रह पाएंगे। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने जानकारी दी है कि एनवीडिया के शीर्ष नेतृत्व ने अपनी यात्रा रद्द करने का निर्णय लिया है। अधिकारी ने कहा, एनवीडिया सीईओ ने कुछ अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण अपनी यात्रा रद्द कर दी है।

हालांकि, कंपनी ने यह सुनिश्चित किया है कि इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में उनकी भागीदारी बनी रहे। सीईओ की अनुपस्थिति में, एनवीडिया अपना एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भेज रही है जो समिट में कंपनी का प्रतिनिधित्व करेगा और भारत के एआई विजन पर चर्चा करेगा।

16 फरवरी से भारत मंडपम में महाकुंभ इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट का आयोजन हो रहा है। यह कार्यक्रम नई दिल्ली के प्रगति मैदान स्थित प्रतिष्ठित भारत मंडपम में होगा। यह शिखर सम्मेलन 16 फरवरी से शुरू होकर 20 फरवरी तक चलेगा। इस पांच दिवसीय कार्यक्रम का मकसद भारत को दुनिया के एआई मानचित्र पर स्थापित करना और तकनीकी नवाचारों को बढ़ावा देना है। जेनसन हुआंग इस कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षणों में से एक थे, और उनकी उपस्थिति से भारत की एआई महत्वाकांक्षाओं को वैश्विक मंच पर एक बड़ी मजबूती मिलने की उम्मीद थी। तकनीकी दुनिया में एनवीडिया की स्थिति किसी परिचय की मोहताज नहीं है। यह कंपनी वैश्विक एआई ईकोसिस्टम में सबसे प्रमुख खिलाड़ियों में से एक है। एनवीडिया का प्रभुत्व मुख्य रूप से इसके फास्ट प्रोसेसिंग जीपीयू सर्वर के कारण है, जो एआई मॉडल की ट्रेनिंग और संचालन के लिए रीढ़ की हड्डी माने जाते हैं।

उप राज्यपाल ने प्रथम डीडीए ग्रीन एक्सपो 2026 का उद्घाटन किया

नई दिल्ली, एजेंसी। टिकाऊ शहरी विकास के अगले चरण को आकार देने और हरित दिल्ली की दिशा में प्रतिबद्धता प्रदर्शित करते हुए दिल्ली के माननीय उप राज्यपाल श्री वीके सक्सेना ने राष्ट्रीय राजधानीकेबांसेरा में प्रथम डीडीए ग्रीन एक्सपो का आज उद्घाटन किया।

वृद्धि से परेः शहरी भविष्य की नई परिकल्पना थीम के तहत इस दो दिवसीय एक्सपो में वरिष्ठ अधिकारी, शहरी नियोजनकर्ता, जलवायु विशेषज्ञ और उद्योग के भागीदार एक साथ आ रहे हैं। इसके अलावा, दिल्ली के सार्वजनिक स्थलों के भविष्य में एक परिवर्तनकारी क्षण के तहत अग्रणी राष्ट्रीय संस्थानों के साथ विभिन्न सहमति पत्रों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

राष्ट्रीय राजधानी में हरियाली को बढ़ावा देने की दिशा में अपनी प्रतिबद्धता दर्शाते हुए माननीय उप राज्यपाल ने डीडीए ग्रीन्स लोगो और डीडीए ग्रीन्स ईयरबुक 2026 का भी अनावरण किया।

ग्रीन एक्सपो का उद्घाटन करते हुए माननीय उप राज्यपाल ने कहा, यह एक्सपो दिल्ली के लिए एक अधिक हरे-भरे, स्वस्थ और अधिक आशापूर्ण भविष्य को लेकर हमारी प्रतिबद्धता मजबूत करता है।

उन्होंने आगे कहा कि यह एक्सपो केवल सम्मेलनों और प्रदर्शनियों के बारे में नहीं है, बल्कि यह लोगों के बारे में है। यह उन हजारों दिल्ली वासियों के लिए सम्मान का प्रतीक है जो अपने घरों के बाहर छोटे छोटे हरे-भरे क्षेत्रों का पोषण करते हैं, अपने बच्चों को स्थानीय पक्षियों के बारे में शिक्षा देते हैं, पौधे लगाते हैं और उनकी देखभाल करते हैं। वे हमारे पर्यावरण की यात्रा के प्रतिदिन के हीरो हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति तीन साल पहले कल्पना नहीं कर सकता था कि इस खराब हो चुके प्रदूषित स्थान पर एक ग्रीन एक्सपो का आयोजन होगा और यह दिल्ली के लिए एक टिकाऊ भविष्य की योजना बनाने का एक प्लेटफॉर्म बन जाएगा। यह खराब हो चुकी भूमि को फिर से हरा-भरा करने का एक उत्कृष्ट उदाहरण है और बांसेरा लचीलेपन एवं प्रयास का एक गवाह है। उप राज्यपाल ने कहा कि यह एक्सपो चिंतन कर दिल्ली की पर्यावरण संबंधी चुनौतियों के व्यवहारिक समाधान की पेशकश करता है। डीडीए के उपाध्यक्ष श्री एन सरवाना कुमार ने कहा कि दिल्ली विकास प्राधिकरण की भूमिका को अक्सर एक मास्टर प्लानर, डेवलपर और रेगुलेटर के तौर पर देखा जाता है। हालांकि, इन जिम्मेदारियों के साथ ही डीडीए के पास एक अत्यधिक महत्वपूर्ण एवं जवाबदेही भरी भूमिका है और वह दिल्ली के पर्यावरण ट्रस्टी की भूमिका है।

छोटे हाथ, बड़े सपनों के 22 साल यूवा मास्टरस्ट्रोक 2025

भोपाल। नवनीत एज्युकेशन लिमिटेड के यूवा ने 'यूवा मास्टरस्ट्रोक' के अपने 22वें संस्करण के सफल आयोजन की घोषणा की है। यह एक अखिल भारतीय ड्रॉइंग प्रतियोगिता है, जिसका आयोजन अगस्त से दिसंबर के बीच किया गया। इस प्रतियोगिता के माध्यम से केजी से लेकर कक्षा 10 तक के विद्यार्थियों को ड्रॉइंग के ज़रिए अपनी रचनात्मकता, कल्पनाशीलता और विचारों को प्रभावी ढंग से व्यक्त करने का मंच मिलता है। दो दशक से अधिक पहले शुरू हुई यह पहल आज एक व्यापक रचनात्मक मंच के रूप में स्थापित हो चुकी है। 2025 संस्करण को देशभर से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। इसमें भारत के 6,600 से अधिक स्कूलों के 20 लाख से ज्यादा विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। यह पहल केवल प्रतिभा को पहचान देने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य छात्रों के बीच ऐसी संस्कृति को बढ़ावा देना है, जहाँ वे कला की सार्वभौमिक भाषा के माध्यम से अपने विचारों और भावनाओं को सहज रूप से अभिव्यक्त कर सकें। विजेता अपने-अपने क्षेत्रों में रचनात्मकता की सर्वोच्च झलक प्रस्तुत करते हैं। इन प्रतिभाशाली छात्रों तक पुरस्कार और आधिकारिक सम्मान समय पर पहुँचें, इसके लिए यूवा, स्कूल प्रशासन और स्थानीय सेल्स टीमों के साथ मिलकर लगातार काम कर रहा है। अब तक 40,000 से अधिक विजेताओं को उनके गिफ्ट हैम्पर्स वितरित किए जा चुके हैं। प्रत्येक समूह के विद्यार्थियों के लिए विशेष रूप से जिला स्तर के राउंड आयोजित किए गए थे। प्रत्येक स्कूल से चुनी गई सर्वश्रेष्ठ प्रविष्टियों की गहन समीक्षा के बाद, यूवा ने हर जिले में प्रत्येक समूह से एक विजेता का चयन किया।

सोने-चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव से असंगठित ज्वैलर्स की बिक्री में गिरावट

चांदी की कीमतें बढ़ने से ज्वैलर्स की बिक्री पर असर

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने-चांदी की रिकॉर्ड कीमतों का प्रभाव असंगठित ज्वैलर्स के कारोबार पर पड़ रहा है। ऊंची कीमतों होने की वजह से स्टॉक की खरीदारी कम हो रही है, हालांकि जरूरत के हिसाब से स्टॉक रखा जाता है, साथ ही सीमित तरलता के कारण कारोबार पर असर पड़ा है। ज्वैलर्स का कहना है कि सोने और चांदी की ऊंची कीमतें और कम मांग होने के कारण उनकी बिक्री में 30 से 40 प्रतिशत तक की गिरावट आई है।

मुंबई के स्थानीय ज्वैलर बेलवेकर ज्वैलर्स के राकेश बेलवेकर कहते हैं, सोने और चांदी की कीमतों में तेजी होने की वजह से मध्यवर्ग ग्राहक खरीदारी से दूर हो गए हैं। यह आम आदमी की पहुंच से बाहर हो गए हैं। जिसकी वजह से हमने बिक्री में 30 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की है। कीमती धातुओं के भाव में मौजूदा तेजी के साथ जो अस्थिरता बनी हुई है, यानी हर दिन कीमतों में तेज उछाल

या फिर अचानक से गिरावट आने की वजह से कारोबार करना मुश्किल हो गया है। राकेश कहते हैं, कारोबार में रोलिंग बंद सी हो गई है, जिसकी वजह से नई डिजाइन या फिर वैरिएशन लाना बेहद चुनौतीपूर्ण होता जा रहा है। कुछ साल पहले जब सोने के दामों में वृद्धि हुई थी, तब चांदी अपने सामान्य भाव पर चल रही थी। तब ग्राहक चांदी की खरीदारी करते थे, जो उनकी बजट में आती थी और यह सोने के विकल्प के साथ अच्छे निवेश के तौर पर खरीदी जारी रही, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में चांदी की कीमतें तेजी से बढ़ी है। इस कारण से वे लोग जो सोने की जगह चांदी सस्ती होने की वजह से खरीदारी करते थे, वे अब पूरी तरह से दूर हो गए हैं। जिसने हमारी बिक्री पर बुरा असर डाला है। मुंबई के झवेरी बाजार के चांदनी ज्वैलर्स के मुकेश जैन कहते हैं कि सोने और चांदी के भाव इतने बढ़ चुके हैं कि खरीदारी बंद सी हो गई है। हमारे ग्राहक आम लोग है, जिनके पास उनका एक अपना बजट होता है। सोना-चांदी अब बजट से बाहर हो गया है। इसलिए हमारी बिक्री पर असर पड़ा है और इसमें 40 प्रतिशत की गिरावट आई है। मांग नहीं होने से हमारे पास बिना बिका हुआ पुराना स्टॉक पड़ा है। अब जब बिक्री नहीं तो नकदी की समस्या बढ़ गई है। जिसकी वजह से कारोबार करना मुश्किल हो गया है।

पुराने ठप पड़े प्रोजेक्ट पर सरकार ने संभाला मोर्चा

किफायती आवास, किराये के घरों के लिए प्रोत्साहन की वकालत की

नई दिल्ली, एजेंसी। लंबे समय से रुकी हुई आवासीय परियोजनाओं को लेकर अब मोदी सरकार ने मोर्चा संभाल लिया है। केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल ने शनिवार को संकेत दिया कि रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण (रेरा) के कार्यान्वयन से पहले की रुकी हुई आवासीय परियोजनाओं को पूरा करने के लिए एक समर्पित कोष स्थापित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि यह कदम रियल एस्टेट उद्योग के उन सुझावों के अनुरूप है जिनका उद्देश्य प्रवर्तकों और घर खरीदारों, दोनों के लिए फायदेमंद समाधान सुनिश्चित करना है।

उन्होंने रियल एस्टेट निकाय नारेडको की तरफ से आयोजित नेशनल अर्बन एंड रियल एस्टेट डेवलपमेंट कॉन्क्लेव के दूसरे

दिन निम्न आय वर्ग (एलआईजी) और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) श्रेणियों में किफायती आवास के फंड के लिए धर्मार्थ संस्थानों की स्थापना के विषय पर विस्तार से चर्चा की। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि समाज के निर्धन वर्गों के लिए धन जुटाने हेतु ऐसे प्रस्तावित धर्मार्थ संस्थानों में कॉरपोरेटे सामाजिक दायित्व (सीएसआर) योगदान के माध्यम से पैसे का इंतजाम हो सकता है, क्योंकि बैंकिंग और वित्तीय संस्थान इस वर्ग की सहायता में बहुत कम सक्रिय रहते हैं। नारेडको की तरफ से जारी बयान के मुताबिक, मनोहर लाल ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीटी) और उसके आसपास की लगभग 700-750 झुग्गी बस्तियों का सरकार द्वारा विकास किया जाएगा। इसके लिए नीतिगत ढांचे पर सरकार के विभिन्न प्राधिकरणों के भीतर उच्च स्तर पर विचार-विमर्श किया जा रहा है। इस अवसर पर नारेडको के चेयरमैन निरंजन हीरानंदानी ने कहा कि आवासीय क्षेत्र को भारतीय अर्थव्यवस्था में प्राथमिकता दिलाने के लिए सरकार ने काफी प्रयास किए हैं, लेकिन 2047 तक अर्थव्यवस्था में इस क्षेत्र का योगदान बढ़कर 15 प्रतिशत करने के लिए अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है।

इक्सिगो की झोली में आई स्पेन की कंपनी

अब इस शेयर में हलचल की है उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन यानी सोमवार को ट्रैवल एग्रीगेटर इक्सिगो की मूल कंपनी ले ट्रैवेन्यूज टेक्नोलॉजी लिमिटेड के शेयर पर निवेशकों की नजर रहेगी। असल में यात्रा बुकिंग पोर्टल इक्सिगो ने एक बड़ी डील की है। इस डील की डिटेल जान लेते हैं। इक्सिगो के निदेशक मंडल ने स्पेन के दूसरे सबसे बड़े ट्रेन बुकिंग मंच ट्रेनेस में 60 प्रतिशत हिस्सेदारी का 1.17 करोड़ यूरो (लगभग 125 करोड़ रुपये) में अधिग्रहण करने संबंधी बाध्यकारी समझौते को मंजूरी दे दी है। इक्सिगो का यह पहला बड़ा अंतरराष्ट्रीय अधिग्रहण है। ट्रेनेस मंच का संचालन करने वाली कंपनी ऑनलाइन ट्रैवल सॉल्यूशंस में नियंत्रक हिस्सेदारी का अधिग्रहण इक्सिगो के लिए यूरोप के बाजार में रणनीतिक प्रवेश का मार्ग प्रशस्त करता है। इक्सिगो ने एक बयान में कहा- इस निवेश से ट्रेनेस मंच के मजबूत ग्राहक आधार और स्थानीय रेल सेवा प्रदाताओं के साथ उसके जुड़ाव को इक्सिगो के एआई-आधारित नवाचार और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञता के साथ जोड़कर बेहतर तालमेल बनाने की उम्मीद है। कंपनी ने बताया कि इस अधिग्रहण के साथ उसका लक्ष्य यूरोप में विकास के नए अवसरों को तलाशने के लिए ट्रेनेस के उत्पाद विकास को गति देना, उसे एआई टेक्नोलॉजी से लैस करना और ग्राहकों के अनुभव को बेहतर बनाना है। इस अधिग्रहण के बाद ऑनलाइन ट्रैवल सॉल्यूशंस एस.एल. कंपनी इक्सिगो के एक सब्सिडयरी बन जाएगी। इसके अलावा इक्सिगो के निदेशक मंडल ने स्पेन की एक अन्य कंपनी स्काड एज सर्विस (स्कास) में भी 45.02 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने की मंजूरी दी है। यह सौदा 4.5 लाख यूरो (करीब 4.83 करोड़ रुपये) में तय हुआ है। इन दोनों कंपनियों को खरीदने के लिए दी जाने वाली कुल राशि में गैर-प्रतिस्पर्धा शुल्क भी शामिल है। हालांकि, यह पूरा सौदा स्पेन में कानूनी प्रक्रियाओं और वहां की नियामक संस्थाओं की अनुमति मिलने के बाद ही पूरा होगा। इक्सिगो की मूल कंपनी ले ट्रैवेन्यूज टेक्नोलॉजी लिमिटेड के शेयर शुक्रवार को 196.20 रुपये पर बंद हुए।

अमाल मलिक और फरहाना भट्ट का गाना 'यहीं गुजार दूं' रिलीज

अमाल मलिक और फरहाना भट्ट का गाना 'यहीं गुजार दूं' फाइनली रिलीज हो गया है। वैलेंटाइन्स डे की शाम ये गाना रिलीज हुआ और तब से ही फैंस के दिलों पर राज कर रहा है। किसी ने सोचा भी नहीं होगा कि इस पर इतने सारे व्यूज आएंगे। सिंगर और म्यूजिशियन अमाल मलिक फिर से सुर्खियों में हैं। इस बार उन्होंने 'बिग बॉस 19' की अपनी को-कंटेस्टेंट फरहाना भट्ट के साथ 'यहीं गुजार दूं' संगीत वीडियो के लिए हाथ मिलाया है। वीडियो का पहला लुक और टीजर आते ही फैंस खुशी से पागल हो गए थे। अब ये गाना भी रिलीज हो गया है और इसे देखने के बाद हर कोई दोनों की एक्टिंग की तारीफ करते नहीं थक रहा है। फरहाना और अमाल की केमेस्ट्री छा गई है। शनिवार को अमाल और फरहाना ने 'यहीं गुजार दूं' का फर्स्ट लुक पोस्टर जारी किया। पोस्टर में अमाल पियानो पर बैठे हैं, जबकि फरहाना उनके बगल में बैठी हैं और उन्हें बाहों में भर लिया है। उसके बाद गाना आया तो दोनों की लव स्टोरी को इसमें दिखाया गया है। वो गाने में लवर्स बने हैं और साथ रहते-रहते अलग होने का फैसला करते हैं। फरहाना उन्हें छोड़कर चली जाती हैं। वैलेन्टाइन्स डे के दिन ये ट्रैक रिलीज हुआ और ट्रेंड भी करने लगा।

धुरंधर मुझे बेहद पसंद आई, कलाकारों और टीम के सदस्यों ने शानदार काम कियाः रणबीर कपूर

बॉलीवुड अभिनेता रणबीर कपूर ने फिल्म निर्माता आदित्य धर की फिल्म धुरंधर की प्रशंसा की और इसे अपनी वर्तमान पसंदीदा फिल्म बताया। फिल्म धुरंधर पांच दिसंबर 2025 को रिलीज हुई थी और इस फिल्म में रणवीर सिंह मुख्य भूमिका में थे, उनके साथ अक्षय खन्ना, आर माधवन, संजय दत्त, अर्जुन रामपाल, सारा अर्जुन और राकेश बेदी भी थे। फिल्म ने कई रिकॉर्ड तोड़े और भारत में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली एकल-भाषा हिंदी फिल्म बन गई, जिसका शुद्ध संग्रह1,000 करोड़ रुपए से अधिक था। कपूर शनिवार को अपने लाइफस्टाइल ब्रांड आर्क के इंस्टाग्राम अकाउंट से लाइव आए और प्रशंसकों से बातचीत की। फिल्म धुरंधर के बारे में पूछे जाने पर कपूर ने फिल्म की प्रशंसा की और कहा कि सभी कलकारों ने सराहनीय प्रदर्शन किया है।उन्होंने कहा, मेरी हाल ही में देखी सबसे पसंदीदा फिल्म धुरंधर थी और मुझे यह बहुत पसंद आई। सभी कलाकरों और टीम के सदस्यों ने कमाल का काम किया।

मृणाल ठाकुर

ने रिलेशनशिप को लेकर तोड़ी चुप्पी

अक्षय कुमार के गेम शो में दी अपनी 'सिंगल' होने की अपडेट

अभिनेत्री मृणाल ठाकुर और अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी जल्द ही रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'दो दीवाने शहर में' में नजर आएंगे। यह फिल्म दो ऐसे लोगों की कहानी है, जो यह सिखाती है कि हर वक्त परफेक्ट होना जरूरी नहीं है। फिल्म की टीम इन दिनों प्रमोशन के लिए कर रही है। अक्षय कुमार के गेम शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' के आने वाले एपिसोड में फिल्म की टीम नजर आएगी, जिसमें मृणाल ठाकुर, सिद्धांत चतुर्वेदी और डायरेक्टर रवि उदयावर नजर आएंगे। इस एपिसोड में अभिनेत्री ने खुलासा किया कि वह फिलहाल किसी रिलेशनशिप में नहीं है। अक्षय कुमार इस एपिसोड में मृणाल की टांग खींचते हुए पूछते हैं, 'मृणाल, सोशल मीडिया पर आपके बारे में काफी चर्चा चल रही है। आपका अभी रिलेशनशिप स्टेट्स क्या है?' यह सवाल सुनकर मृणाल ने बिना झिझक के जवाब दिया, 'मैं अभी सिंगल हूं और मिंगल होने के लिए तैयार हूं। 'अक्षय ने इस पल को जाने नहीं दिया और दर्शकों में से एक आदमी को उठने के लिए कहा। उस आदमी ने तुरंत जवाब दिया कि वह शादीशुदा है। अक्षय ने उसे देखकर मजेदार जवाब देते हुए कहा, 'मैं मिंगल करने के लिए नहीं बुला रहा था। 'बता दें कि कुछ समय से सोशल मीडिया पर मृणाल और साउथ एक्टर धनुष के रिश्ते और शादी के बारे में काफी अफवाहें उड़ी थीं। हालांकि, अभिनेत्री ने अपने इस जवाब से अफवाहों पर विराम लगा दिया है।रवि उदयावर द्वारा निर्देशित, यह एक आधुनिक, यथार्थवादी प्रेम कहानी है। इस फिल्म में सिद्धांत चतुर्वेदी और मृणाल ठाकुर मुख्य भूमिकाओं में हैं। इन दोनों के अलावा फिल्म में ईला अरुण, जॉय सेनगुप्ता, आयशा रजा, विराज गेहलानी, संदीपा धर, दीपराज राणा, मोना अम्बेगांवकर, अचिंत कौर और नवीन कौशिक भी नजर आएंगे। फिल्म के कुछ गाने रिलीज हो चुके हैं, जिन्हें लोगों की तरफ से काफी प्यार मिल रहा है। वहीं, सोशल मीडिया पर भी फिल्म को लेकर काफी क्रेज देखा जा रहा है।

भव्यता और रहस्य से भरपूर 'नागबंधम' का टीज़र सुपरस्टार महेश बाबू ने किया लॉन्च!

आखिरकार इंतज़ार हुआ खत्म! महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर, अभिषेक नामा के डायरेक्शन में बनी माइथो-एक्शन फिल्म 'नागबंधम' का बहुप्रतीक्षित टीज़र रिलीज़ कर दिया गया है। फिल्म में विराट कर्णा लीड रोल में हैं। प्रोड्यूसर किशोर अन्नापुरेड्डी और निशिता नागिरेड्डी ने इस फिल्म को एक बहुत बड़े स्केल पर तैयार किया है, जिसमें वर्ल्ड-क्लास प्रोडक्शन वैल्यू साफ़ नज़र आ रही है। हर फ्रेम में उनकी साहसिक सोच और आध्यात्मिक गहराई के साथ-साथ एक शानदार विजुअल अनुभव की झलक मिलती है। फैंस की एक्साइटमेंट तब सातवें आसमान पर पहुँच गई जब सुपरस्टार महेश बाबू ने खुद इस टीज़र को लॉन्च किया, जिससे पूरे देश में इस फिल्म को लेकर चर्चा तेज़ हो गई है। हिमालय की रहस्यमयी वादियों के बैकड्रॉप पर सेट यह टीज़र एक ऐसी दुनिया का दरवाज़ा खोलता है, जहाँ समय से भी पुराना एक गहरा राज़ दफन है। जब एक इंसान का लालच इस ब्रह्मांडीय सच को उजागर करने की कोशिश करता है, तब नियति खुद अपने योद्धा को चुनती है। 'नागबंधम' की कहानी अब्दाली के ऐतिहासिक अफगान आक्रमण से प्रेरित है, जिसमें माइथोलॉजी, इतिहास और आध्यात्मिक युद्ध का अनोखा मेल देखने को मिलता है। यह लड़ाई सांस्कृतिक विरोध और दैवीय सुरक्षा के बीच के टकराव को दिखाती है। इस महागाथा के केंद्र में है पवित्र नागबंधम मंदिर, एक ऐसा गुप्त मंदिर जिसकी रक्षा दिव्य शक्तियां कर रही हैं और माना जाता है कि यहाँ ब्रह्मांड की एक प्राचीन शक्ति सुरक्षित है। हिमालय के छिपे हुए रास्तों के बीच स्थित इस मंदिर में इतनी अपार शक्ति है कि अगर यह गलत हाथों में पड़ गई, तो अकल्पनीय तबाही आ सकती है। 'ब्रह्मा की रचना से जन्मा... विष्णु के धर्म से सुरक्षित... महादेव के क्रोध से शक्ति प्राप्त... ', यह दमदार लाइन 'नागाबंधम' की आत्मा को बखूबी बयां करती है। यह एक ऐसी गाथा है जहाँ दिव्यता, नियति और विनाश का आमना-सामना होता है। डायरेक्टर अभिषेक नामा की बड़ी सोच और साफ़ विज़न इस टीज़र में साफ़ झलकती है। उन्होंने जिस तरह से माइथोलॉजी, एक्शन और आध्यात्म को बेहतरीन टेक्निकल काम के साथ जोड़ा है, वो इस फिल्म को एक अलग ही लेवल पर ले जाता है। हैरानी की बात यह है कि बिना एक भी डायलॉग के, यह टीज़र अपनी विजुअल पावर और शानदार कहानी कहने के अंदाज़ से दर्शकों को बांधे रखने में कामयाब रहा है। प्रोड्यूसर्स की यह पहली फिल्म होने के बावजूद, उनका काम करने का अंदाज़ काफी मज़बूत दिख रहा है। उन्होंने डायरेक्टर अभिषेक नामा के बड़े विज़न को पूरा सपोर्ट किया है। यह फिल्म इंडियन सिनेमा के लिए एक नया बेंचमार्क सेट करने वाली है। कहानी के हीरो विराट कर्णा एक बहुत ही दमदार और बदले हुए अवतार में नज़र आ रहे हैं। टीज़र में मगरमच्छ के साथ उनकी लड़ाई के अलावा, भगवान शिव के रूप में उनकी एंट्री सबसे बड़ी हाईलाइट है। शिव जी का किरदार निभाना आसान नहीं होता, लेकिन विराट ने इसे पूरी शिद्दत से निभाया है। उनकी इंटेंसिटी और गजब का फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन इशारा करता है कि यह उनके करियर की सबसे यादगार परफॉरमेंस होने वाली है। फिल्म की कास्टिंग इसकी एक और बड़ी ताकत है। इसमें नभा नतेश, ईश्वर्या मेनन, महेश मांजरेकर, जगपति बाबू, ऋषभ साहनी, गरुड़ राम, जयप्रकाश, मुरली शर्मा, अनसूया भारद्वाज और बी.एस. अविनाश जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में नज़र आएंगे। कल हैदराबाद के प्रसाद PCX में इस टीज़र की स्क्रीनिंग रखी गई थी, जहाँ इसकी भव्य कहानी और शानदार स्केल की जमकर तारीफ हुई। वहां मौजूद मीडिया और लोगों का रिस्पॉन्स वाकई जबरदस्त था; टीज़र खत्म होते ही पूरा हॉल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा और लोगों ने खड़े होकर (standing ovation) अपना प्यार जाहिर किया। तो इस गर्मी, एक ऐसी जंग देखने के लिए तैयार हो जाइए जहाँ धर्म का उदय होगा और विनाश भी कांप उठेगा।स्टार कास्टः विराट कर्णा, नभा नतेश, ईश्वर्या मेनन, ऋषभ साहनी, जगपति बाबू, गरुड़ राम, महेश मांजरेकर, जयप्रकाश, मुरली शर्मा, अनसूया भारद्वाज, बी.एस. अविनाश और अन्य।

फिल्म की टेक्निकल टीम में ये दिग्गज शामिल हैंः कहानी, स्क्रीनप्ले और डायरेक्शनः अभिषेक नामा, प्रोड्यूसर्सः किशोर अन्नापुरेड्डी, निशिता नागिरेड्डी, सिनेमैटोग्राफरः सुंदर राजन एस, म्यूजिकः अभे, जुनैद कुमार, प्रोडक्शन डिज़ाइनरः अशोक कुमार, एडिटरः आरसी प्रणव, सीईओ (CEO): वासु पोतिनी, पीआरओ (PRO): वम्सी-शेखर।

हिमांशी खुराना

को मिली धमकी, विदेश में बैठे गैंगस्टर ने मांगी 10 करोड़ की फिरौती

'बिग बॉस 13' की मशहूर कंटेस्टेंट हिमांशी खुराना फिलहाल पंजाबी सिनेमा में अपने करियर को लेकर व्यस्त हैं। उन्होंने मोहाली पुलिस में फिरौती की धमकी के संबंध में शिकायत दर्ज कराई है। पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, हिमांशी को विदेश में रहने वाले गैंगस्टर जीशान अख्तर से 10 करोड़ रुपये की फिरौती की धमकी मिली है। मोहाली पुलिस ने बताया कि एक्ट्रेस की शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस ने ये भी बताया कि हिमांशी को उनकी ईमेल आईडी पर धमकी मिली है जिसके आधार पर उन्होंने शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने शनिवार को सोहाना पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 308(4) के तहत जबरन वसूली और धारा 351(3) के तहत आपराधिक धमकी के आरोप में एफआईआर दर्ज की। पुलिस अधीक्षक (जांच) सौरभ जिंदल ने बताया, 'शिकायत के अनुसार, ईमेल में एक वॉयस नोट था, जिसे कथित तौर पर विदेश में रहने वाले एक गैंगस्टर ने भेजा था, जिसमें 10 करोड़ रुपये की जबरन वसूली की मांग की गई थी।'

भव्य ऐतिहासिक प्रोजेक्ट 'जय सोमनाथ' के लिए संजय लीला भंसाली-केतन मेहता आए साथ!

संजय लीला भंसाली और केतन मेहता, जो भारतीय सिनेमा की दो सबसे बड़ी क्रिएटिव ताकतें हैं, अब एक ऐसी ऐतिहासिक कहानी दिखाने के लिए साथ आए हैं जो भारत और यहां के लोगों के लिए बहुत अहम साबित हो सकती है। संजय लीला भंसाली ने केतन मेहता के साथ मिलकर भारतीय सभ्यता की एक बेहद महत्वपूर्ण कहानी 'जय सोमनाथ' का ऐलान किया है। भारतीय सिनेमा की इन दो सबसे बड़ी क्रिएटिव ताकतों का एक साथ आना वाकई एक्साइटिंग है, जो पर्दे पर एक अनोखा और भव्य नजारा पेश करने का वादा करता है।'जय सोमनाथ' की कहानी हमें 1025-1026 ईस्वी के उस दौर में ले जाएगी, जब गजनी के महमूद ने गुजरात के सोमनाथ मंदिर पर हमला किया और उसे लूटा था। यह भारतीय इतिहास का एक ऐसा अध्याय है जो विनाश के बाद फिर से खड़े होने की ताकत को दिखाता है। इस साल इस हमले और मंदिर के विध्वंस को 1000 साल पूरे हो रहे हैं, और यह फिल्म भारत की कभी न टूटने वाली हिम्मत और हमारी सभ्यता के गौरव का प्रतीक बनेगी। अब पहली बार यह ऐतिहासिक घटना बड़े पर्दे पर जीवंत होने जा रही है, जो यकीनन हर भारतीय के दिल को छू लेगी। 'जय सोमनाथ' को जो बात सबसे खास बनाती है, वो है संजय लीला भंसाली और केतन मेहता का साथ आना। जहाँ भंसाली अपनी भव्यता और बड़े पर्दे पर एक जादुई दुनिया रचने के लिए मशहूर हैं, वहीं केतन मेहता अपनी बेबाक कहानियों, ऐतिहासिक विज़न और इंटरनेशनल लेवल की फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। यह फिल्म इतिहास की गहराई और सिनेमा के विशाल स्केल को एक साथ लेकर आएगी, जो दर्शकों को एक जबरदस्त अनुभव देने का वादा करती है। 'जय सोमनाथ' का निर्माण भंसाली प्रोडक्शंस और माया मूवीज (केतन मेहता की प्रोडक्शन कंपनी) के बैनर तले किया जा रहा है। केतन मेहता खुद इस फिल्म के लेखन और निर्देशन की कमान संभाल रहे हैं। फिल्म 2027 में बड़े पर्दे पर दस्तक देने के लिए तैयार है।

भूमि पेडनेकर की 'दलदल' का आएगा दूसरा सीजन, क्रिएटर ने दिया बड़ा हिंट!

बॉलीवुड एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर की नई सीरीज 'दलदल' अपनी जबरदस्त कहानी और सस्पेंस की वजह से दर्शकों के बीच छाई हुई है. फैंस की इसी दीवानगी के बीच अब इसके दूसरे सीजन को लेकर चर्चा तेज हो गई है. सीरीज के क्रिएटर सुरेश त्रिवेणी ने हाल ही में संकेत दिए हैं कि वह इस साइकोलॉजिकल क्राइम थ्रिलर की कहानी को आगे ले जाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने बताया कि टीम के पास दलदल सीरीज के अगले सीजन कुछ शानदार आइडियाज हैं, जिससे फैंस के बीच सीजन 2 को लेकर एक्साइटमेंट और बढ़ गई है। मिड-डे के साथ बातचीत में सुरेश त्रिवेणी ने कहा, 'हम दूसरे सीजन के लिए पूरी तरह तैयार हैं। हमारी राइटर्स की टीम पिछले तीन-चार सालों से इस शो पर काम कर रही है और वे आगे बढ़ने के लिए काफी उत्साहित हैं।' सुरेश त्रिवेणी ने यह भी बताया कि उनके पास कहानी को आगे ले जाने के लिए कुछ बेहतरीन आइडियाज हैं. उन्होंने आगे कहा, 'हम सीजन 1 को मिल रहे फीडबैक पर भी ध्यान दे रहे हैं।अगर सब कुछ सही रहा, तो हम जल्द ही इसे लेकर सही फैसला लेंगे।'सुरेश त्रिवेणी ने आगे बताया कि कहानी में इतनी गुंजाइश है कि इसका दूसरा सीजन आसानी से बन सकता है। उन्होंने कहा, 'सीजन 2 के लिए बस कुछ चीजों का सही बैठना जरूरी है, जैसे मेरी उपलब्धता, एक दमदार स्क्रिप्ट और अमेजन प्राइम वीडियो की हरी झंडी. हम इस कहानी को आगे ले जाने के लिए बेहद उत्साहित हैं।'

(साभार एजेंसी)

धोनी की कप्तानी खत्म करने का फैसला बीसीसीआई का था

चयनकर्ताओं ने कहा- अब बदलाव का समय, धोनी ने खुद लिखा, मैं पद छोड़ना चाहता हूं

नईदिल्ली (एजेंसी)। महेंद्र सिंह धोनी ने साल 2017 में टी-20 और वनडे की कप्तानी खुद नहीं छोड़ा था, बल्कि सिलेक्शन कमेटी ने उन्हें कप्तानी छोड़ने का सुझाव दिया था। चयनकर्ताओं ने धोनी से यह भी कहा था कि वे लिखित में मेल में अपना इस्तीफा दें ताकि ट्रांजिशन को औपचारिक रूप दिया जा सके। पूर्व चयनकर्ता जतिन परांजपे ने 'द ग्रेट इंडियन क्रिकेट शो' में बताया कि उस समय के मुख्य चयनकर्ता एमएसके प्रसाद ने धोनी से

इस विषय पर बातचीत की थी। धोनी ने 2014 में टेस्ट कप्तानी पहले ही छोड़ दी थी, लेकिन 2017 वह साल था जब विराट कोहली को तीनों फॉर्मेट की कमान सौंपी गई थी4 जनवरी 2017 को एमएस धोनी ने वनडे और टी20 कप्तानी छोड़ दी थी।

धोनी ने बिना किसी विरोध के फैसले पर सहमति जताई - पूर्व चयनकर्ता जतिन परांजपे ने 'द ग्रेट इंडियन क्रिकेट शो' में बताया कि वह और उस समय के मुख्य चयनकर्ता एमएसके प्रसाद नेट्स में बल्लेबाजी कर रहे धोनी से मिलने पहुंचे। उन्होंने सम्मान के साथ कहा कि अब बदलाव का समय आ गया है। धोनी ने बिना किसी विरोध के फैसले पर सहमति जताई और कहा कि यह सही निर्णय है।उन्होंने एमएसके से कहा, अन्ना, यह बिल्कुल सही फैसला है। मुझे बताइए कि आपको मुझसे क्या चाहिए। एमएसके ने उनसे कहा कि आपको लिखकर देना होगा कि आप आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं। इस पर उन्होंने कहा, ठीक है, मैं कर दूंगा।

देर रात धोनी की ओर से ईमेल आया

परांजपे के मुताबिक, देर रात धोनी की ओर से ईमेल आया मैं पद छोड़ना चाहता हूं। इस फैसले की आलोचना भी हुई, लेकिन चयनकर्ताओं ने इसे टीम के भविष्य के लिए जरूरी बताया। परांजपे ने यह भी बताया कि धोनी ने विराट कोहली को पूरा समर्थन देने का भरोसा दिया था। उन्होंने कहा, चिंता मत करो। मैं विराट के साथ पूरी तरह काम करूंगा। वह मेरे भाई जैसा है। मैं उसके लिए जो भी जरूरी होगा, करूंगा। मेरा जितना भी अनुभव है, मैं उसे दूंगा। और हम एक अच्छी टीम बनाएंगे।

धोनी सभी आईसीसी खिताब हासिल कर चुके थे

उस समय धोनी 35 साल के थे। वह 2007 का पहला टी20 वर्ल्ड कप, 2011 का वनडे वर्ल्ड कप और 2013 की चैंपियंस ट्रॉफी जीतकर सभी आईसीसी खिताब हासिल कर चुके थे।

टी20 वर्ल्ड कप 2026

वेस्टइंडीज सुपर-8 में पहुंचने वाली पहली टीम, नेपाल समेत दो टीमें बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज ने नेपाल को टी20 वर्ल्ड कप 2026 के 25वें मैच में 9 विकेट से हराया और दीपेंद्र सिंह ऐरी की अर्धशतकीय पारी बेकार चली गई। वेस्टइंडीज सुपर-8 में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई। जेसन होल्डर ने चार विकेट लेकर 2 बार की चैंपियन टीम को तीसरी जीत दिलाने में मदद की। वानखेड़े स्टेडियम में रविवार (15 फरवरी) को पहले बल्लेबाजी करते हुए नेपाल ने 8 विकेट पर 133 रन बनाए। वेस्टइंडीज ने 15.2 ओवर में 1 विकेट 134 रन बनाए। इस तरह से नेपाल लगातार तीसरा मैच हारकर टी20 वर्ल्ड कप से बाहर होने वाली दूसरी टीम बन गई। इसके अलावा ग्रुप बी से ओमान तीन मैच हारकर सुपर-8 की रेस से बाहर हो गई है।

पहले बल्लेबाजी करने उतरी नेपाल की टीम लय में दिखी ही नहीं। ओपनर कुशल भुर्तेल पहले ही ओवर में आउट हो गए। कप्तान रोहित पौडेल जल्द ही 5 रन पर एलबीडब्ल्यू आउट हो गए। सातवें ओवर तक नेपाल का स्कोर 4 विकेट पर 23 रन हो गया। इसके बाद ऐरी ने निचले मध्यक्रम के साथ मिलकर टीम को संभाला। मैथ्यू फोर्ड ने लगातार चार ओवर फेंके और नेपाल पर लगातार दबाव बनाए रखा।

होप ने 15वें ओवर में दो छक्के मारकर अर्धशतक पूरा किया

किंग पावरप्ले के आखिरी ओवर में मिडऑन पर आउट हो गए और 44 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप खत्म कर दी, लेकिन वेस्टइंडीज को नेपाल परेशान नहीं कर सका कि वह मोमेंटम अपने पक्ष में कर सके। शिमरोन हेटमायर ने संदीप लामिछाने से निपटे और बाउंड्री लगाते रहे। इसमें लेग स्पिनर के खिलाफ आगे बढ़कर लॉन्ग ऑन पर छक्का लगाना भी था। होप ने भी 15वें ओवर में लामिछाने के दो छक्के मारकर अपना अर्धशतक पूरा किया।

नेपाल ने तीन ओवर में 44 रन बनाए

लोकेश बाम और गुलशन झा के साथ ऐरी ने अच्छी साझेदारी करके नेपाल की पारी को संभाला। उन्होंने स्पिनरों के खिलाफ जोखिम उठाया, लेकिन डेथ ओवर में गियर बदला और ऐरी और सोमपाल कामी ने तेज गेंदबाजों पर अटैक किया। 18वें ओवर में कामी ने होल्डर की गेंद पर लगातार तीन बाउंड्री लगाई और ऐरी ने अगले ओवर में शमर जोसेफ की गेंद पर दो छक्के मारे। तीन ओवर में 44 रन बने। होल्डर ने आखिरी ओवर में शानदार गेंदबाजी की। उनकी यॉर्कर असरदार साबित हुई और उन्होंने दो विकेट लिए।

पांचवें ओवर में किंग ने कामी को तीन चौके मारे

वेस्टइंडीज को रन चेज में ज्यादा मुश्किल नहीं हुई। गेद रुक रही थी, लेकिन शॉट लगाना आसान था। ब्रैंडन किंग ने पहली गेंद पर कवर-पॉइंट की तरफ बाउंड्री लगाकर शुरुआत की। ज्यादा रिस्क लिए बिना वेस्टइंडीज के ओपनर हर ओवर में कम से कम एक बाउंड्री लगाने में कामयाब रहे। पांचवें ओवर में किंग ने कामी को तीन चौके मारे और जीत की नींव रखी।

वृंदा के तूफान में उड़ा पाक

भारत ने पाकिस्तार को 8 विकेट से हराया

महिला राइजिंग स्टार्स एशिया कप

भारत ए बनाम पाकिस्तान ए

- पहली गेंद पर विकेट गिरने के बाद संभली पारी
- सिर्फ 10.1 ओवर में ही हासिल किया लक्ष्य

जर्काता, एजेंसी। एसीसी वूमेन्स राइजिंग स्टार्स एशिया कप 2026 में इंडिया ए ने पाकिस्तान ए को 8 विकेट से करारी शिकस्त दी है। बैंकॉक में खेले गए इस मुकाबले में वृंदा दिनेश ने बल्ले से तबाही मचाते हुए टीम को एकतरफा जीत दिलाई। इससे पहले टीम इंडिया को अपने पहले ही मैच में यूएई के हाथों हैरान करने वाली हार मिली थी, लेकिन पाकिस्तान के खिलाफ टीम ने जबरदस्त वापसी की। भारतीय टीम ने 93 रनों के लक्ष्य को सिर्फ 10.1 ओवर में हासिल कर लिया और टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की।

वृंदा दिनेश का शानदार अर्धशतक

वृंदा दिनेश ने इस मैच में कमाल की बैटिंग की। उन्होंने पाकिस्तान के गेंदबाजों की जमकर खबर ली और मैदान के चारों तरफ शॉट लगाए। वृंदा ने सिर्फ 29 गेंदों का सामना करते हुए नाबाद 55 रन बनाए। अपनी इस पारी में उन्होंने 12 शानदार चौके लगाए। वृंदा का आक्रामक अंदाज ऐसा था कि उन्होंने अपना अर्धशतक सिर्फ 25 गेंदों में ही पूरा कर लिया था। जब वो 50 रन के आंकड़े पर पहुंची तब तक उनके बल्ले से 11 चौके निकल चुके थे। उनकी इस तेज तर्रार पारी की बदौलत ही इंडिया ने टारगेट को बहुत जल्दी हासिल कर लिया।

पहली गेंद पर विकेट गिरने के बाद संभली पारी

पाकिस्तान के 93 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंडिया की शुरुआत बेहद खराब रही थी। पारी की पहली ही गेंद पर ओपनर हुमैरा काजी आउट हो गई। उन्हें पाकिस्तान की बॉलर वहीदा ने पवेलियन भेज दिया। हालांकि इस शुरुआती झटके का असर बाकी बैटर पर नहीं दिखा। वृंदा और अनुष्का ने मिलकर पारी को आगे बढ़ाया। अनुष्का ने भी टिक कर बैटिंग की और 26 गेंदों पर 24 रन बनाए। उन्होंने वृंदा का अच्छा साथ दिया।

सिर्फ 10.1 ओवर में ही हासिल किया लक्ष्य

इंडिया ए के बैटर इतने आक्रामक मूड में थे कि उन्होंने मैच को जल्द से जल्द खत्म कर दिया। टीम ने 9वें ओवर में ही 2 विकेट खोकर 81 रन बना लिए थे। उस समय टीम जीत से सिर्फ 13 रन दूर थी। अनुष्का को पाकिस्तान की बॉलर मोमिना ने आउट किया, लेकिन तब तक इंडिया जीत के करीब पहुंच चुका था। अंत में इंडिया ने 10।1 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया और पाकिस्तान को 8 विकेट से धूल चटा दी। पाकिस्तान की तरफ से वहीदा और मोमिना को 1-1 विकेट मिला।

मार्कराम ने रचा इतिहास, रोहित की एलीट लिस्ट में शामिल

मुंबई (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मार्करम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ धमाकेदार पारी खेलकर इतिहास रच दिया। मार्करम ने सिर्फ 19 गेंदों में अर्धशतक जड़ते हुए न सिर्फ टीम को जीत दिलाई, बल्कि टी20 वर्ल्ड कप में सबसे तेज फिफ्टी लगाने वाले कप्तानों की एलीट लिस्ट में जगह बना ली।

मार्करम टी20 वर्ल्ड कप में 19 गेंदों पर अर्धशतक लगाने वाले कप्तानों की सूची में शामिल हो गए। इस लिस्ट में अब उनके साथ- रोहित शर्मा (भारत) - 19 गेंद, दासुन शनाका (श्रीलंका) - 19 गेंद, इसके अलावा मोहम्मद अशरफुल (20 गेंद, 2007) और महेला जयवर्धने (21 गेंद, 2007) भी इस सूची में शामिल हैं। मार्करम टी20 वर्ल्ड कप इतिहास में यह कारनामा करने वाले पहले दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज बने। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी।

साउथ अफ्रीका जीता, ऑस्ट्रेलिया की मुश्किलें बढ़ी

कोलंबो (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप में ग्रुप स्टेज के 24 मुकाबले खेले जा चुके हैं। 6 दिन में 16 मैच और बचे हैं। अब तक किसी भी टीम ने सुपर-8 में जगह नहीं बनाई, लेकिन शनिवार को साउथ अफ्रीका ने न्यूजीलैंड को हराकर अपनी पोजिशन लगभग कन्फर्म कर ली। अफगानिस्तान का क्वालिफाई कर पाना मुश्किल है, वहीं ओमान एलिमिनेट होने वाली पहली टीम बन गई।

ग्रुप-ए- भारत-पाकिस्तान के पास क्वालिफिकेशन का मौका

ग्रुप-ए में मेजबान भारत और 2009 की चैंपियन पाकिस्तान के अलावा अमेरिका, नीदरलैंड और नामीबिया हैं। भारत और पाकिस्तान 2-2 मैच जीतकर पॉइंट्स टेबल में टॉप-2 पोजिशन पर हैं। आज दोनों के बीच होने वाला मैच जीतने वाली टीम सुपर-8 में अपनी जगह लगभग कन्फर्म कर लेगी। वहीं हारने वाली टीम को आखिरी दोनों मैच जीतने ही होंगे।

इस ग्रुप में नामीबिया दोनों मैच हार चुकी है, टीम ने एक और मुकाबला गंवाया तो एलिमिनेट हो जाएगी। अमेरिका और नीदरलैंड भी 2-2 मैच हार चुकी है, इन्हें भी क्वालिफाई करने के लिए आखिरी मुकाबले जीतने ही होंगे। दोनों टीमें 1-1 जीत के साथ तीसरे और चौथे नंबर पर हैं।

ग्रुप-बीः ऑस्ट्रेलिया की मुश्किलें बढ़ीं

ग्रुप-बी की सिचुएशन इस समय सबसे ज्यादा मजेदार है।होम टीम श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया को हराने वाली जिम्बाब्वे 2-2 जीत के साथ टॉप-2 पोजिशन पर हैं।ऑस्ट्रेलिया को श्रीलंका के खिलाफ एक मैच खेलना है, यहां अगर कंगारू टीम हार गई तो उनका अगले राउंड में पहुंचना नामुमकिन सा हो जाएगा।क्योंकि जिम्बाब्वे फिर आयरलैंड को हराकर ही सुपर-8 में पहुंच जाएगी।

श्रीलंका का एक मैच जिम्बाब्वे के खिलाफ भी है, इसे जीतने वाली टीम अपनी जगह अगले राउंड में कन्फर्म कर लेगी।ऑस्ट्रेलिया को ओमान से भी भिड़ना है, लेकिन उन्हें क्वालिफाई करने के लिए आखिरी दोनों मैच जीतने होंगे।ओमान 3 मैच हारकर बाहर हो चुकी है।आयरलैंड 2 मैच हार चुकी है, टीम का क्वालिफाई कर पाना बेहद मुश्किल है।उनका आखिरी मैच जिम्बाब्वे से होगा।

ग्रुप-सीः इंग्लैंड को सभी मैच जीतने होंगे

2-2 बार की चैंपियन इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के अलावा इस ग्रुप में स्कॉटलैंड, इटली और नेपाल भी हैं।दोनों वर्ल्ड चैंपियन टीमें 2-2 मैच जीतकर पॉइंट्स टेबल में शुरुआती 2 पोजिशन पर हैं।इंग्लैंड को इकलौती हार विंडीज से ही मिली। अब इंग्लिश टीम को क्वालिफाई करने के लिए इटली के खिलाफ आखिरी मैच जीतना ही होगा।वेस्टइंडीज को इटली और नेपाल से भिड़ना है, दोनों मुकाबले जीतकर टीम नंबर-1 पर रहकर फिनिश करेगी।स्कॉटलैंड और नेपाल ने 1-1 मैच और गंवाया तो टीमें अगले राउंड से बाहर हो जाएंगी।इटली को 1 जीत और 1 हार मिली है।

ग्रुप-डीः अफगानिस्तान बाहर, अफ्रीका की राह आसान

टूर्नामेंट का सबसे मुश्किल ग्रुप यही था।इसमें 2024 की फाइनलिस्ट साउथ अफ्रीका, 2021 की रनर-अप न्यूजीलैंड और 2024 की सेमीफाइनलिस्ट अफगानिस्तान की टीमें थीं।अफगानिस्तान ने कीवी और प्रोटियाज टीम के खिलाफ अपने दोनों मैच गंवा दिए।अब उन्हें क्वालिफाई करने के लिए आखिरी दोनों मैच जीतने के साथ न्यूजीलैंड के हारने की दुआ भी करनी होगी।

मैच से पहले: पाकिस्तानी खेमे में घुसा सांप, स्टेडियम में मचा हड़कंप

कोलंबो (एजेंसी)। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले हाई-वोल्टेज मुकाबले से पहले एक चौंकाने वाली घटना सामने आई। कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में पाकिस्तान टीम के डगआउट में करीब छह से साढ़े छह फुट लंबा सांप दिखाई देने से कुछ समय के लिए अफरा-तफरी मच गई। इस घटना ने सुरक्षा व्यवस्था को तुरंत सक्रिय कर दिया। हालांकि स्थिति को जल्द ही नियंत्रित कर लिया गया, लेकिन इस वाक्य ने रोमांचक मुकाबले से पहले माहौल और भी गर्म कर दिया है।

प्रेमदासा स्टेडियम में दिखा सांप - शुक्रवार शाम पाकिस्तान राष्ट्रीय क्रिकेट टीम जब अभ्यास के लिए आर. प्रेमदासा स्टेडियम पहुंचने वाली थी, उससे कुछ ही समय पहले उनके डगआउट में एक लंबा सांप देखा गया। स्टेडियम स्टाफ ने तुरंत सतर्कता दिखाते हुए खिलाड़ियों के आने से पहले ही उसे सुरक्षित तरीके से बाहर की ओर खदेड़ दिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सांप को किसी तरह की चोट पहुंचाए बिना मैदान

से दूर किया गया। कर्मचारियों ने इसे बेहद सावधानी से संभाला, ताकि किसी भी तरह की अप्रिय घटना न हो।

सुरक्षा व्यवस्था हुई सख्त - घटना के बाद स्टेडियम मैनेजमेंट और ग्राउंड स्टाफ ने पूरे परिसर की जांच की। भारत-पाकिस्तान मैच जैसे बड़े आयोजन को देखते हुए सुरक्षा में कोई ढील नहीं बरती जा रही है। रविवार, 15 फरवरी को जब भारतीय क्रिकेट टीम और पाकिस्तान आमने-सामने होंगे, तब अतिरिक्त सतर्कता बरती जाएगी। इस मुकाबले पर दुनियाभर की नजरें टिकी हैं, ऐसे में आयोजकों के लिए यह जरूरी है कि मैदान और आसपास का क्षेत्र पूरी तरह सुरक्षित रहे।

कप्तानों के बीच जुबानी जंग - मैदान के बाहर भी माहौल कम गर्म नहीं है। पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली अगा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारतीय खिलाड़ियों पर टिप्पणी की, जिसका जवाब भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अपने अंदाज में दिया। इस बयानबाजी ने मुकाबले में अतिरिक्त रोमांच जोड़ दिया है। टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को लेकर भी अटकलें थीं, लेकिन उन्हें शुक्रवार शाम अभ्यास करते देखा गया, जिससे उनके खेलने की संभावना मजबूत हो गई है।

हाई-वोल्टेज मुकाबले का इंतजार - भारत बनाम पाकिस्तान टी20 वर्ल्ड कप मैच हमेशा भावनाओं, दबाव और रोमांच से भरा होता है। इस बार डगआउट में सांप की घटना ने सुर्खियां जरूर बटोरीं, लेकिन अब फोकस पूरी तरह क्रिकेट पर है। रविवार को कोलंबो में जब दोनों टीमें मैदान पर उतरेंगी, तो फैंस को एक और यादगार मुकाबले की उम्मीद होगी। सांप की यह घटना भले ही कुछ समय के लिए चर्चा में रही हो, लेकिन असली जंग बल्ले और गेंद के बीच देखने को मिलेगी।

क्रिकेटर कनिष्क चौहान अब आईपीएल में मचाएगा धूम

अंडर-19 क्रिकेट वर्ल्ड कप में किया था बेहतरीन प्रदर्शन, आरसीबी की टीम में शामिल

झज्जर (एजेंसी)। हरियाणा के क्रिकेटर कनिष्क चौहान अब आईपीएल में आरसीबी की टीम में धमाल मचाने की तैयारी में जुट गए हैं। कनिष्क की प्रतिभा को पहचानते हुए दुनिया की सबसे लोकप्रिय लीग आईपीएल ने भी उनके लिए दरवाजे खोल दिए हैं। कनिष्क चौहान को आईपीएल में आरसीबी की टीम ने शामिल किया है। आईपीएल की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। झज्जर जिले के कुलाना के रहने वाले कनिष्क चौहान भी इस बार आईपीएल में आरसीबी की टीम से खेलते नजर आएंगे। हाल ही में हुए अंडर 19 क्रिकेट वर्ल्ड कप में कनिष्क चौहान ने बेहतरीन प्रदर्शन किया था। कनिष्क को आरसीबी की टीम में बेस प्राइस 30 लाख रुपए में शामिल किया गया है।

ऑल राउंडर की निभाएंगे भूमिका - पिछले साल 16 दिसंबर को आईपीएल में खेलने वाली टीमों में शामिल करने के लिए खिलाड़ियों की बोली लगाई गई थी, उसी में झज्जर जिले के खिलाड़ी कनिष्क चौहान को भी जगह मिली है। कनिष्क चौहान दाएं हाथ के आक्रामक बल्लेबाज और ऑफ-ब्रेक स्पिन गेंदबाज हैं।

आईपीएल में बेहतरीन प्रदर्शन की उम्मीदें - कनिष्क के माता पिता का कहना है कि जिस प्रकार से उनके बेटे ने वर्ल्ड कप में अपना दबदबा दिखाया उसी प्रकार से अब उनसे आईपीएल में अपनी टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीदें हैं। आईपीएल में आरसीबी की टीम ने कनिष्क चौहान को ऑल राउंडर प्रदर्शन के लिए शामिल किया है। कनिष्क चौहान इंडिया अंडर 19 टीम में 8 वें नंबर पर बैटिंग करने आते हैं।

अंडर 19 फाइनल में लगाए छक्के-चौके - वहीं बोलिंग में टीम में वे 10 ओवर का स्पेल करते आए हैं। 2024 में अंडर 19 क्रिकेट टीम में उन्होंने जगह बनाने के बाद लगातार बेहतरीन प्रदर्शन किया है। वर्ल्ड कप में कनिष्क पाकिस्तान के खिलाफ हुए मैच में प्लेयर ऑफ द मैच पुरस्कार जीत चुके हैं।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज़ नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, ज़ोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com